Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 222 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, शनिवार 29 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

रक्षाबंधन पर 'विष्णु भैया' ने 50 बहनों को दिया आत्मनिर्भरता का उपहार, सौंपे ई-रिक्शा

जशपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बगिया कैम्प कार्यालय में महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'जशपुर एक्सप्रेस' योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले की 50 महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान कर उन्हें आजीविका और आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह से जोड़ा।

रक्षाबंधन के आत्मीय वातावरण में स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने मुख्यमंत्री श्री साय की कलाई पर राखी बांधी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने भी बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें साड़ी और मिठाई उपहार स्वरूप भेंट की। बहनों के बीच मुख्यमंत्री का आत्मीय अंदाज कार्यक्रम को विशेष बना गया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की बुनियाद है। हमारी बहनें आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर स्वावलंबन की नई इबारत लिख रही हैं। ई-रिक्शा उनके लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि नियमित आय और सम्मानजनक स्वरोजगार का माध्यम बनेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उन्हें ऐसी आजीविका गतिविधियों से भी जोड़ा जाए, जिनसे वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें और परिवार की आर्थिक प्रगति में अपनी भूमिका को और मजबूत कर सकें।

पिछले रक्षाबंधन पर 14, इस बार 50 बहनों को ई-रिक्शा की सौगात

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बहनों को स्वरोजगार से जोड़ने की यह पहल लगातार आगे बढ़ रही है। पिछले रक्षाबंधन पर्व पर भी स्व-सहायता समूहों की 14 महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान किए गए थे। इस वर्ष 'जशपुर एक्सप्रेस' योजना के माध्यम से 50 और बहनों को ई-रिक्शा उपलब्ध कराए गए हैं।

उन्होंने बताया कि राजधानी रायपुर में भी महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 92 ई-रिक्शा प्रदान किए गए हैं। ई-रिक्शा चला रही महिलाएं आज प्रतिमाह लगभग 15 हजार रुपए तक की आमदनी अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आय बढ़ने के साथ उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक स्वतंत्रता भी बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसी बहन के हाथ में स्वयं की कमाई आती है तो उसका लाभ पूरे परिवार को मिलता है। बच्चों की पढ़ाई, परिवार की आवश्यकताओं और भविष्य के लिए बचत जैसे अनेक कार्यों में यह आय सहारा बनती है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश की अधिक से अधिक महिलाओं को इसी तरह आयमूलक गतिविधियों से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री साय ने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज हमारी दीदियां किराना दुकान, सब्जी व्यवसाय और विभिन्न छोटे उद्यमों सहित अनेक आजीविका गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। अब ई-रिक्शा जैसी सेवाओं में भी महिलाएं आगे आ रही हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। सरकार महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने की दिशा में भी लगातार कार्य कर रही है, ताकि उनके उद्यम टिकाऊ हों और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार प्रारंभ करने और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए मुद्रा ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। महिलाओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेकर अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप उद्यम शुरू करना चाहिए। 'जशपुर एक्सप्रेस' योजना के माध्यम से महिलाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध कराकर उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इससे एक ओर महिलाओं को नियमित आमदनी का माध्यम मिलेगा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर आवागमन की सुविधा भी बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री साय ने ई-रिक्शा प्राप्त करने वाली बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और अपने परिश्रम से आर्थिक आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम करें। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं। शासन की योजनाओं और अपनी मेहनत के बल पर वे परिवार की आर्थिक शक्ति बनने के साथ प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने बगिया क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात भी दी। उन्होंने लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत से बगिया में बनने वाले विश्राम गृह का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही बगिया में यादव मोहल्ला तक बनने वाली सीसी सड़क के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया।

लोक भवन में गूंजा अपनत्व का संदेश, दिव्यांग बच्चों ने राज्यपाल रमेन डेका को बांधा रक्षा सूत्र

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कोपल वाणी के श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों तथा मिनी मार्वेल्स स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आज लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल रमेन डेका को अपने हाथों से बनाई गई राखियां बांधीं। बच्चों ने रक्षा सूत्र बांधकर राज्यपाल के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की और उन्हें अपने हाथों से तैयार की गई राखियों की विशेषता भी बताई। इसके बाद बच्चों ने राज्यपाल का मुंह मीठा कराया। मासूम हाथों से बनाई गई राखियां जब राज्यपाल श्री डेका की कलाई पर सजीं तो रक्षाबंधन का यह अवसर आत्मीयता और भावनाओं से भर उठा। राज्यपाल ने बच्चों के स्नेह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

लोक भवन पहुंचकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। विशेष रूप से कोपल वाणी के दिव्यांग बच्चों के लिए यह अवसर सम्मान, आत्मविश्वास और गौरव से भरा रहा। अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें राज्यपाल की कलाई पर बांधना बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण रहा। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि दिव्यांग बच्चे समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अवसर एवं प्रोत्साहन मिलना चाहिए। राज्यपाल डेका ने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, स्नेह और पारस्परिक विश्वास का पर्व है। बच्चों का यह आत्मीय स्नेह मन को छू लेने वाला है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि समाज को दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

मंत्री ओपी चौधरी ने खरसिया में निर्माणाधीन रोड ओवर ब्रिज का किया निरीक्षण

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने आज रायगढ़ जिले के खरसिया में निर्माणाधीन रोड ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

वित्त मंत्री चौधरी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति और निर्धारित समय-सीमा को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सुविधा और आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में रोड ओवर ब्रिज का निर्माण महत्वपूर्ण है। इसके पूर्ण होने से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी तथा रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए और कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक गति से आगे बढ़ाया जाए। चौधरी ने कहा कि रायगढ़ जिले में अधोसंरचना विकास को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। सड़क, पुल-पुलिया और अन्य आवश्यक निर्माण कार्यों के माध्यम से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

वास्तु ऑफिस में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन पर्व, भाई-बहन के स्नेह और संस्कार का दिया संदेश

रायपुर। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व वास्तु ऑफिस में हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह की उपस्थिति में विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षाबंधन के धार्मिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक महत्व पर चर्चा करते हुए पर्व को भारतीय संस्कारों और रिश्तों को मजबूत करने वाला बताया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा, सम्मान और हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लिया। पूजा-अर्चना और मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का वातावरण उत्सवमय बना रहा।

इस अवसर पर वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह परिवार में प्रेम, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार वास्तु में घर के सकारात्मक वातावरण को महत्वपूर्ण माना जाता है, उसी प्रकार परिवार में सकारात्मक विचार, मधुर व्यवहार और आपसी सम्मान भी सुख-शांति के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में रक्षा सूत्र को शुभता और संकल्प का प्रतीक माना गया है। राखी बांधते समय मन में अच्छे विचार और परिवार के कल्याण की भावना रखना चाहिए। पर्व के दिन घर में स्वच्छता रखते हुए पूजा स्थल को व्यवस्थित रखना और दीप प्रज्वलित करना सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायक माना जाता है। राणा सिकंदर सिंह ने युवाओं से भारतीय पर्वों के पीछे छिपे संस्कार और जीवन मूल्यों को समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में परिवार के सदस्यों के बीच संवाद और आत्मीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और भाई-बहन के रिश्ते को प्रेम, विश्वास और सम्मान के साथ निभाने का संकल्प लिया। आयोजन ने पूरे कार्यालय में पारिवारिक सौहार्द और उत्सव का माहौल बना दिया।

सार्वजनिक स्थानों पर चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार । शहर में सार्वजनिक स्थानों पर धारदार हथियार लेकर घूमने और लोगों को डराने-धमकाने वालों के खिलाफ सिटी कोतवाली पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चार धारदार चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में जिले में आम नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध हथियारों के प्रदर्शन तथा असामाजिक गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में 26 अगस्त को सिटी कोतवाली पुलिस ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार अस्पताल चौक-सोनपुरी रोड से इंदिरा कॉलोनी नहर पार निवासी सोनू यदु (24) को धारदार लोहे के चाकू के साथ पकड़ा गया। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 716/2026 दर्ज किया गया है। इसी तरह नया बस स्टैंड के पीछे से संजय कॉलोनी निवासी सोमेश यादव (22) को स्टील के धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 717/2026 दर्ज है। नया बस स्टैंड स्थित जे.टी.सी. गार्डन के सामने से पुष्कर साहू (22) को बटनदार स्प्रिंगदार लोहे के चाकू के साथ पकड़ा गया। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 718/2026 दर्ज किया गया है। वहीं संजय कॉलोनी श्मशान घाट के पास से शुभम साहू (18) को स्टील के स्प्रिंगदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 720/2026 दर्ज किया गया है। चारों आरोपियों के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत पृथक-पृथक प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों का प्रदर्शन कर भय का माहौल बनाने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 08 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा । एकीकृत बाल विकास परियोजना अकलतरा अंतर्गत ग्राम कापन के आंगनबाड़ी केन्द्र क्र. 02 में आंगनबाड़ी सहायिका पद पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना अकलतरा ने बताया कि उक्त पद हेतु 08 सितम्बर 2026 तक ऑनलाइन लिंक **https://aww.e-bharti.in** मे जाकर अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल डाउनलोड करते हुए आवेदन कर सकते है। नियत समय के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही आवेदन के समय अनिवार्य दस्तावेजों की फाईल डाउनलोड न करने की स्थिति में आवेदन स्वीकृत नहीं किये जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना अकलतरा से संपर्क किया जा सकता है।

खरसिया के विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति की घोषणा

खरसिया । खरसिया के नागरिकों को आधुनिक प्रशासनिक सुविधाओं की बड़ी सौगात मिली। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने बुधवार को खरसिया के नवनिर्मित संयुक्त तहसील भवन का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि ऐसे काम करना होना चाहिए, जिनसे जनता के जीवन में वास्तविक बदलाव आए। उन्होंने कहा कि खरसिया में विकास कार्यों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने खरसिया क्षेत्र में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि की व्यवस्था/स्वीकृति कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर प्राथमिकता वाले कार्य तय किए जाएंगे, ताकि खरसिया में और बेहतर विकास कार्य किए जा सकें। वित्त मंत्री ने खरसिया के निर्माणाधीन आरओबी को भी महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए कहा कि लगभग 67 करोड़ रुपए की लागत वाले आरओबी का निर्माण पूर्ण कराकर जनता को उसके उपयोग की सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जनता के हित में काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने खरसिया में नगरपालिका द्वारा किए जा रहे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, यूथ कॉम्प्लेक्स और अन्य विकास कार्यों की भी सराहना की।

सांसद ने कहा-न्याय और सुविधाओं की राह होगी आसानः रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया ने नए तहसील भवन के लिए वित्त मंत्री एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खरसिया में आम जनता के लिए इतना व्यवस्थित और आधुनिक तहसील कार्यालय उपलब्ध होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए भवन से लोगों के प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी कार्य अधिक सुगमता से होंगे और उन्हें बेहतर न्याय एवं सेवाएं मिलेंगी।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने जवान भाइयों को बांधी राखी

राजनांदगांव । रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजनांदगांव द्वारा देश की सुरक्षा में तैनात जवान भाइयों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने पुलिस जवानों को रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य समझाते हुए उन्हें राखी बांधी और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने 8वीं बटालियन, रक्षित आरक्षी केंद्र, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तथा आईटीबीपी (इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस) पहुंचकर देश की रक्षा में समर्पित जवान भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक धागे का पर्व नहीं, बल्कि आत्मिक पवित्रता, भाईचारे और श्रेष्ठ संकल्प का प्रतीक है। इसी क्रम में जिला जेल पहुंचकर बंदी भाइयों को भी राखी बांधी गई। आस्था संस्था में दिव्यांग भाई-बहनों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाकर उन्हें प्रेम, सम्मान और अपनत्व का संदेश दिया गया।

रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, खरीदारी के लिए उमड़ने लगीं भीड़

जांजगीर-चांपा । भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन नजदीक आते ही जांजगीर में इसकी तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। त्योहार को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है और राखी की दुकानों से लेकर कपड़े, मिठाई, गिफ्ट आइटम और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर चहल-पहल देखने को मिल रही है। बहनें अपने भाइयों की कलाई सजाने के लिए तरह-तरह की आकर्षक राखियों की खरीदारी करने में जुट गई हैं।

रक्षाबंधन को लेकर बाजार में इस बार पारंपरिक राखियों के साथ-साथ बच्चों और युवाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए कई नए डिजाइन की राखियां भी उपलब्ध हैं। कार्टून कैरेक्टर, रुद्राक्ष, मोती, चंदन, स्टोन, फैंसी और रंग-बिरंगी राखियां बहनों को खूब आकर्षित कर रही हैं। वहीं छोटे बच्चों के लिए अलग-अलग कार्टून और खिलौना आधारित राखियां भी बाजार में सजाई गई हैं। रक्षाबंधन का पर्व बहनों के लिए विशेष महत्व रखता है। यही वजह है कि त्योहार से कई दिन पहले ही बहनें अपने भाइयों के लिए पसंदीदा राखी चुनने बाजार पहुंच रही हैं। कई बहनें राखी के साथ भाई के लिए कपड़े, घड़ी, परफ्यूम, मिठाई और अन्य उपहार भी खरीद रही हैं। बाजार में परिवार के साथ खरीदारी करने पहुंच रही महिलाओं और युवतियों की संख्या भी बढ़ने लगी है। दुकानदारों ने भी रक्षाबंधन को देखते हुए अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। अलग-अलग कीमतों और डिजाइन की राखियां उपलब्ध होने से ग्राहकों को अपनी पसंद के अनुसार राखी चुनने के कई विकल्प मिल रहे हैं। दुकानदारों को आने वाले दिनों में बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है।

मिठाई और उपहारों की भी बढ़ी मांग राखियों के साथ ही मिठाई और गिफ्ट दुकानों पर भी तैयारियां तेज हो गई हैं।

विधायक अनिला भेड़िया होंगी मुख्य अतिथि, आरू साहू बिखेरेंगी सांस्कृतिक छटा

बालोद । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डौंडीलोहारा के तत्वाधान में आगामी 6 सितंबर को दुधली मालीघोरी में एक दिवसीय भव्य विधानसभा स्तरीय तीजा पोला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक अनिला भेड़िया होंगी, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का जश्न मनाया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्योहारों तीजा और पोला के उल्लास को बढ़ाने के लिए महिलाओं के लिए विशेष खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इन प्रतियोगिताओं में ग्रामीण प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए जलेबी दौड़, कबड्डी, रस्सा खींच, कुर्सी दौड़, गोली चम्मच और 100 मीटर दौड़ जैसी पारंपरिक और आधुनिक खेल स्पर्धाएं शामिल की गई हैं। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। आरू साहू के गीतों से सजेगी सांस्कृतिक शाम महोत्सव का मुख्य आकर्षण दोपहर में आयोजित होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका आरू साहू अपनी सुरीली आवाज और गीतों से समां बांधेंगी। इसके साथ ही स्थानीय महिलाओं द्वारा भी विशेष आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने क्षेत्र की सभी माताओं, बहनों और आमजनों से इस पारंपरिक उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

मंजू ने साबित किया ललक हो तो परिस्थितियां नहीं रखती मायने

■ मंजू साहू बनेगी ग्राम कोड़ेवा की पहली एमबीबीएस डॉक्टर

बालोद । टीवी सीरियल सीआईडी के फोरेंसिक डॉक्टर सालूके का रोल ग्राम कोड़ेवा की मंजू को इतना भाया कि उन्होंने तय कर लिया कि उन्हें फॉरेंसिक डॉक्टर बनना है। इसके बाद इसी के अनुरूप उन्होंने तैयारी की और नीट में सलेक्शन हो गई। एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए उनका चयन शासकीय मेडिकल कॉलेज कांकेर में हो गया है। सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली मंजू का चयन यह बताता है कि दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ यदि आगे बढ़ा जाए तो मंजिल तक पहुंचने में कोई भी परिस्थितियां बाधक नहीं बन सकती।

ग्राम कोड़ेवा के शुभकरण एवं निलेश्वरी साहू की बड़ी बेटी मंजू साहू गांव की पहली एमबीबीएस डॉक्टर बनने जा रही है। नीट के माध्यम से इंदिरा गांधी मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कांकेर में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए हो गया है। मंजू ने दूसरी बार में ही यह सफलता अर्जित कर ली है।प्रथम बार उन्हें 425 अंक मिला था और इस बार उन्होंने 513 अंक लाकर अपना चयन सुनिश्चित कर लिया था। मंजू के चयन से न केवल परिवार, बल्कि गांव में भी हर्ष का माहौल है।

छोटी-छोटी चीजों को जांच कर परिणाम निकालना अच्छा लगता है मंजू साहू कहती है कि टीवी सीरियल सीआईडी में फॉरेंसिक डॉक्टर सालुके का छोटी-छोटी चीजों को जांच कर रिजल्ट निकालना उन्हें बहुत अच्छा लगता है। वह टीवी में सिर्फ सीआईडी सीरियल ही देखती है। उसमें फॉरेंसिक उन्हें इतना अच्छा लगा कि दसवीं पढ़ते पढ़ते ही उन्होंने तय कर लिया था कि उन्हें आगे बायो लेना है और उसके बाद नीट की तैयारी करनी है और फोरेंसिक डॉक्टर बनना है। मंजू ने 11वीं में बायो लिया। नीट की एक साल कोचिंग की, फिर दूसरे साल ऑनलाइन तैयारी की। एक बार में सफल नहीं होने पर वह निराश नहीं हुई और दूसरी बार में सफलता उसकी कदम चूम रही है।

महापौर के प्रयासों से राजनांदगॉव विधायक डॉ रमन सिंह ने दिया निर्माण कार्यो की स्वीकृति

राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव ने शहर के मोहारा एवं लखोली वार्ड में दो निर्माण एवं विकास कार्यो का भूमिपूजन किया । उक्त दोनों निर्माण कार्यो की मांग विगत कुछ वर्षो से वार्डवासियों द्वारा की जा रही थी, जिन्हें महापौर मधुसूदन के प्रयासों से डॉ0 रमन सिंह, अध्यक्ष छ.ग. विधानसभा एवं विधायक राजनांदगॉव द्वारा विधायक निधि मद से निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्थानीय वार्ड नं.47 मोहारा में कबीर कुटीर मेला स्थल में 10 लाख रू. की लागत से जिला विश्वकर्मा समाज के सामाजिक भवन निर्माण हेतु महापौर मधुसूदन ने भूमिपूजन कार्य संपन्न किया। इससे पहले विश्वकर्मा समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा आयोजन में पहुॅचे मुख्य अतिथि मधुसूदन यादव, विशिष्ठ अतिथिगण निगम अध्यक्ष पारस वर्मा, स्थानीय पार्षद आलोक श्रोती, केशवदास मानिकपुरी अध्यक्ष मानिकपुरी समाज, मंगलदास विश्वकर्मा अध्यक्ष नंदई परिक्षेत्र, मनोहर प्रजापति मूर्तिकार संग सहसचिव छ.ग., समाजसेवी उत्तम यादव का स्वागत एवं सम्मान किया गया । आयोजनकर्ता एवं स्वागत समिति विश्वकर्मा समाज की ओर से जिलाध्यक्ष राधेलाल विश्वकर्मा (पुर्रामटोला), उपाध्यक्ष लक्ष्मण विश्वकर्मा, संरक्षक जगदीश विश्वकर्मा व रेवाराम विश्वकर्मा, सचिव राकेश विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष विष्णु विश्वकर्मा, मंच संचालक एवं ब्लाक उपाध्यक्ष शेखर विश्वकर्मा, सामाजिक पदाधिकारीगण अपेन्द्र विश्वकर्मा, दुर्गेश विश्वकर्मा, महेन्द्र विश्वकर्मा, नंदू विश्वकर्मा, मूर्तिकार एवं मीडिया प्रभारी ,दिलीप मेश्राम, जनक विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज को संबोधित करते हुए महापौर ने मुख्य रूप से यह कहा कि सामाजिक भवन बनने के बाद समाजिक हित में इसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों एवं अन्य जिलों से शिक्षा ग्रहण करने के लिये शहर आने वाले बच्चों के रहने हेतु सामाजिक भवन में हास्टॅल एवं निवास सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें ताकि सामाजिक बन्धुओं का भला हो सके। महापौर ने सामाजिक भवन सहित वार्ड एवं मोहल्ला में स्वच्छता बनाये रखने का आव्हान किया और पार्षद आलोक श्रोती को सामाजिक भवन हेतु वार्ड में जगह उपलब्ध कराने के लिये धन्यवाद दिया। महापौर ने भवन के पीछे 5 लाख रू. की लागत से महिला एवं पुरूष शौचालय निर्माण कार्य की भी घोषणा की । शहर के वार्ड नंबर 35 अंतर्गत लखोली दुर्गा चौक में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में राजनांदगॉव महापौर ने विधायक निधि मद से 6 लाख रू. की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

बिलासपुर से खुलने वाली ट्रेनों का भाटापारा स्टॉपेज दिया जाएः राजेश शर्मा

भाटापारा । बिलासपुर से खुलकर रायपुर दिशा की ओर जाने वाली सभी ट्रेनों का ठहराव भाटापारा में दिए जाने की मांग बिलासपुर रेलवे जोन सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य राजेश शर्मा ने की है,उन्होंने इस आशय का पत्र क्षेत्रीय सांसद एवं रेल मंत्री को प्रेषित करते हुए सुझाव दिया है कि इन ट्रेनों का भाटापारा स्टॉपेज देने से रायपुर बिलासपुर की समय सारिणी में ना तो किसी भी प्रकार का बदलाव होगा और यहां के लोगों का समय और पैसा बचने के साथ वहां के प्लेटफार्म पर भीड़ भी कम होगी। प्रेस को जारी बयान में बिलासपुर रेलवे जोन सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य राजेश शर्मा ने बताया कि भाटापारा रेलवे स्टेशन में इस समय देश के विभिन्न राज्यों को सीधे जोड़ने वाली 52 ट्रेनों का

स्टॉपेज नहीं है,जबकि भाटापारा रेलवे स्टेशन आय की दृष्टि से एन एस जी-3 केटेगरी का स्टेशन है। ट्रेन सुविधा पर्याप्त मात्रा में ना होने से यहां के निवासियों, व्यवसायियों ,छात्रों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। शर्मा ने कहा कि बलोदा बाजार भाटापारा को छत्तीसगढ़ का संयुक्त राजस्व जिला बने काफी लंबा समय हो चुका है,और अब तक भाटापारा रेलवे स्टेशन को जो रेल यात्री सुविधाएं मिलनी थी उसके लिए अभी भी संघर्ष करने विवश होना पड़ रहा है,जबकि भाटापारा रेलवे स्टेशन पूरे बलोदा बाजार भाटापारा संयुक्त जिले का एक मात्र सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है,जो की अपने जिले के विधानसभा क्षेत्रों का ही नही बल्कि रेल विहीन बेमेतरा,मुंगेली जिले के क्षेत्रों का भी नजदीकी एवम सर्वसुविधा युक्त पहुंच वाला रेलवे स्टेशन है। शर्मा ने रेल यात्री हित में मांग करते और सुझाव देते हुए कहा कि भाटापारा के नागरिकों को पिछले लगभग 7 सालों से किसी भी यात्री ट्रेन का ठहराव नहीं मिला है जिसके कारण भाटापारा रेलवे स्टेशन पर वर्तमान में नहीं रुकने वाली ट्रेनों की संख्या 52 तक पहुँच गई है।

छुईखदान में H1N1 संक्रमित बच्चे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने शुरू किया सर्वेक्षण

छुईखदान। वार्ड नंबर 9 कंडरापारा निवासी कन्हैया चंद्राकर के 4 वर्षीय सुपुत्र उद्धव चंद्राकर को संजीवनी अस्पताल, राजनांदगांव में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान जांच में बच्चे के ।।1ह1 वायरस पॉजिटिव पाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग छुईखदान द्वारा स्वाइन फ्लू के सर्विलेंस के लिए क्षेत्र में निगरानी और जांच अभियान शुरू किया गया।

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष बघेल के नेतृत्व में लैब टेक्नीशियन अखिल वर्मा, सुपरवाइजर रोहित साहू एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों की टीम कंडरापारा पहुंची। टीम ने संक्रमित बच्चे के परिवार के घर जाकर सभी सदस्यों के सैंपल लिए।

इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग

की टीम ने आसपास के क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्दी, खांसी और बुखार से पीड़ित लोगों की जानकारी ली। लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा देते हुए ।।1ह1/स्वाइन फ्लू से बचाव एवं सुरक्षा के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति में सर्दी, खांसी, बुखार या अन्य संबंधित लक्षण दिखाई देते हैं तो इसे नजरअंदाज न करें और तत्काल नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सकीय जांच एवं उपचार कराएं। विभाग द्वारा लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई है।

परसदा में बालिका शौचालय का भूमिपूजन सम्पन्न

बालोद । जनपद पंचायत गुण्डरदेही के ग्राम पंचायत परसदा (मोखा) के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परसदा में बालिका शौचालय का भूमिपूजन सम्पन्न हुआ।

यह भूमिपूजन ग्राम पंचायत सरपंच डिकेश्वरी साहू के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर शाला विकास समिति अध्यक्ष प्रीतम कुमार, क्षमित साहू, ओम बाई, कुलेश्वरी बाई, मोहनी बाई, खिलेश्वरी देवांगन, दयाराम, भूषण लाल, रामदयाल साहू, मनहरण साहू, गोपी राम साहू एवं पंचगण उपस्थित रहे।

सरपंच डिकेश्वरी साहू ने कहा कि शौचालय निर्माण से छात्र-छात्राओं को सुविधा मिलेगी और विद्यालय में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

भाटापारा को 5.61 करोड़ की सौगातः भूमिपूजन में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा नेता शिवरतन शर्मा हुए शामिल

भाटापारा । विकास कार्यों को नई गति और जनकल्याण को नया संबल देते हुए बुधवार को नगर के अम्बेडकर चौक, रविदास वार्ड में भूमिपूजन एवं प्रधानमंत्री आवास प्रमाण-पत्र व चाबी वितरण कार्यक्रम रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने की। वार्डो की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए कुल 561.06 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इसमें इंटेकवेल से फिल्टर प्लांट तक पाइप लाइन विस्तार एवं इंटरकनेक्शन कार्य हेतु 408.81 लाख रुपये और नवीन ओवरहेड पानी टंकी निर्माण हेतु 152.25 लाख रुपये की लागत शामिल है। इस परियोजना से रविदास वार्ड सहित आसपास के वार्डों की पेयजल समस्या दूर होगी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को पक्के मकान की चाबी और प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश के हर घर तक शुद्ध पेयजल और हर गरीब को पक्की छत मिले। आज भाटापारा में 5.61 करोड़ का यह भूमिपूजन उसी गारंटी को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। डबल इंजन की सरकार में भाटापारा के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। आने वाले समय में भाटापारा को एक व्यवस्थित नगर के रूप में विकसित किया जाएगा।

वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने कहा कि भाटापारा नगर में जो विकास कार्य पूर्व में रुक गए थे, उन्हें अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। नगर के प्रत्येक वार्ड में छोटे से लेकर बड़े कार्यों का सतत भूमिपूजन और लोकार्पण हो रहा है। पेयजल की इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूर्ण होने से आसपास के वार्डवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य भाटापारा को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त बनाना है। रविदास वार्ड में पानी टंकी और पाइप लाइन का कार्य हमारी प्राथमिकता में था। आज सांसद बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा के निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग से प्रदेश सरकार द्वारा विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की जा रही है और कार्य धरातल पर उतर रहे हैं।

साइबर जागृति अभियान के तहत शिवरीनारायण पुलिस की अनोखी पहल

शिवरीनारायण । साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत शिवरीनारायण पुलिस ने रक्षा बंधन के अवसर पर अनोखी पहल की। पुलिस ने लोगों को साइबर अपराध से बचाने के लिए 'एक राखी साइबर जागृति के नाम' अभियान चलाकर नागरिकों को जागरूक किया। इस दौरान करीब 15,932 लोगों की कलाई पर साइबर जागृति की राखी बांधी गई। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारी स्वयं लोगों के बीच पहुंचे और साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए।एसडीओपी तोमेश वर्मा रहे अभियान के केंद्र में शिवरीनारायण अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तोमेश वर्मा ने अभियान में स्वयं सक्रिय भूमिका निभाते हुए कैफिटेरिया,मेला ग्राउंड, चौपाटी, अंबेडकर चौक सहित थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों और ग्राम पंचायतों में पहुंचकर लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। उन्होंने राहगीरों, दुकानदारों,कर्मचारियों और आम नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों की जानकारी देते हुए सतर्क रहने की अपील की।दुकानदारों और कर्मचारियों की कलाई पर बांधी राखीअंबेडकर चौक के पास संचालित विभिन्न दुकानों में पहुंचकर पुलिस टीम ने दुकान संचालकों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों की कलाई पर 'साइबर जागृति' राखी बांधी। राखी के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि वे स्वयं साइबर अपराध से बचें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें।झझक और निजी जानकारी साझा न करने की अपीलए सडीओपी तोमेश वर्मा ने नागरिकों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ झझक बैंक संबंधी जानकारी, एटीएम/डेबिट कार्ड की जानकारी, पासवर्ड या अन्य निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

आरबीसी 6-4 के तहत 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

छुईखदान । कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल ने राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने के प्रकरणों में मृतकों के निकटतम वारिसों को आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इसके तहत तहसील साल्हेवारा के ग्राम कोपरो निवासी दो मासूम बच्चों की तालाब के पानी में डूबने से हुई मृत्यु के प्रकरण में उनके परिजनों को कुल 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छुईखदान वि. ख .के ग्राम कोपरो निवासी सूर्य पटेल, उम्र 3 वर्ष, की तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार ग्राम कोपरो निवासी युग वास, उम्र 3.5 वर्ष, की भी तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हुई। प्राकृतिक आपदा से संबंधित इन दोनों प्रकरणों में आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के तहत मृतक सूर्य पटेल के पिता दिनेश कुमार पटेल तथा मृतक युग वास के पिता खेलावन वास के लिए 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

प्राचार्य की कुर्सी का छह शिक्षकों में बंटवारा! जिले के सरकारी स्कूल में अनोखा आदेश, डीईओ ने किया निरस्त

खैरागढ़ (महाकोशल) । जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी/अंग्रेजी माध्यम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में प्राचार्य द्वारा जारी एक अनोखा आदेश चर्चा का विषय बना हुआ है। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश्वर सिंह ने 24 जुलाई 2026 को आदेश जारी कर प्रथम पाली में संचालित अंग्रेजी माध्यम शाला के सुव्यवस्थित संचालन के लिए हिंदी माध्यम के अलग-अलग व्याख्याताओं को सप्ताह के छह दिनों के लिए प्रभारी प्राचार्य नियुक्त कर दिया। मामला सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेश को तत्काल निरस्त कर दिया है।

प्राचार्य द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि विद्यालय के सुव्यवस्थित एवं अनुशासित संचालन के लिए हिंदी माध्यम के व्याख्याताओं को उनके नाम के सामने निर्धारित दिवस पर प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया जाता है। आदेश में प्रभारी प्राचार्य को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई कि निर्धारित समयावधि में संविदा शिक्षक उपस्थित रहें, प्रत्येक कालखंड में शिक्षक अध्ययन-अध्यापन कराएं तथा छात्र-छात्राओं में अनुशासन बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

आदेश के मुताबिक व्याख्याता रसायन शास्त्र कुणाल टंडन को सोमवार, भौतिक शास्त्र के व्याख्याता गिरवर कोसरे को मंगलवार, जीव विज्ञान की व्याख्याता विनिता सिंह को बुधवार, हिंदी की व्याख्याता उपमा देवी त्रिपाठी को गुरुवार, वाणिज्य के व्याख्याता गुंजन सिंह को शुक्रवार तथा अंग्रेजी के व्याख्याता अखिलेश श्रीवास्तव को शनिवार के लिए प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया गया था। खास बात यह है कि आदेश की प्रतिलिपि कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखंड शिक्षा अधिकारी को भी भेजी गई थी।

प्राचार्य को नियुक्ति का अधिकार नहीं? स्कूल शिक्षा विभाग के नियमों के मुताबिक प्राचार्य के पद पर किसी शिक्षक को नियमित अथवा प्रभारी रूप में नियुक्त करने का अधिकार संबंधित प्राचार्य को नहीं होता।

प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता से राशन और दवाइयों की जरूरतें पूरी करने में मिली मदद

बीजापुर। उम्र के उस पड़ाव पर जब इंसान को अपनों के सहारे की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, 72 वर्षीय हेमला मल्ले के जीवन में परिस्थितियां इसके बिल्कुल विपरीत थीं। पति स्व. हेमला कोवा के निधन के बाद वे आश्रयहीन हो गईं थीं। दैनिक जरूरतों, राशन और दवाइयों की व्यवस्था करना उनके लिए बेहद कठिन हो गया था। परिस्थितियां ऐसी बनीं कि उन्हें जीवनयापन के लिए भिक्षावृत्ति का सहारा लेना पड़ा। ग्राम तर्रेम, जिला बीजापुर की रहने वाली हेमला मल्ले के जीवन में वर्ष 2024 में महतारी वंदन योजना उम्मीद की नई किरण लेकर आई। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता ने उन्हें अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने में महत्वपूर्ण सहारा दिया।

हेमला मल्ले बताती हैं कि इस राशि से वे अब राशन और दवाइयों का खर्च वहन कर पा रही हैं। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा मिला है। अब किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता अपने जीवन में आए बदलाव को याद करते हुए हेमला मल्ले भावुक होकर कहती हैं, महतारी वंदन योजना से मुझे बहुत सहायता मिली है। अब मैंने भिक्षावृत्ति छोड़ दी है और अपने पैरों पर चलने लगी हूं। मुझे अब किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ता। यह मेरे लिए भीख नहीं, बल्कि सम्मान का सहारा है। मेरे जीवन में बदलाव लाने के लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। हेमला मल्ले की कहानी यह बताती है कि नियमित आर्थिक सहायता जरूरतमंद महिलाओं के लिए केवल आर्थिक संबल नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और गरिमापूर्ण जीवन का आधार भी बन सकती है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता ने उनके कठिन दौर में सहारा देकर उन्हें दूसरों पर निर्भरता से बाहर निकलने का अवसर दिया है।

बैंकों में साइबर जागरूकता अभियान, 1560 से अधिक नागरिक हुए लाभान्वित

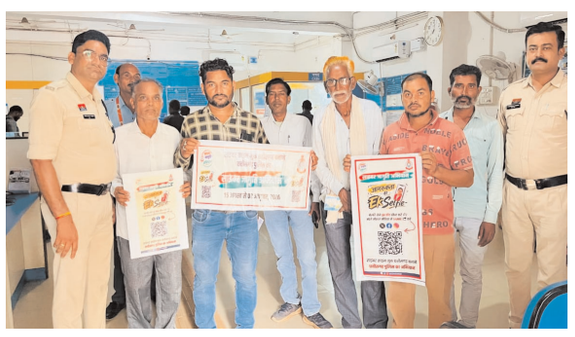

बलौदाबाजार । 'साइबर अपराध मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष साइबर जागृति अभियान के तहत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार को बैंकों में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली राष्ट्रीयकृत, ग्रामीण एवं निजी क्षेत्र की 54 बैंक शाखाओं में एक साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान से 1560 से अधिक बैंक ग्राहक एवं कर्मचारी सीधे तौर पर लाभान्वित हुए। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने बैंक परिसरों में मौजूद ग्राहकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऑनलाइन ठगी के बढ़ते तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। पुलिस ने फर्जी एपीके लिंक, क्रेडिट-डेबिट कार्ड ब्लॉक होने का झांसा, शेयर बाजार में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, पार्ट-टाइम जॉब स्कैम तथा ओटीपी और एटीएम पिन चोरी जैसे साइबर अपराधों के प्रति लोगों को सतर्क किया।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाया कि बैंक खाता संबंधी जानकारी, एटीएम पिन, पासवर्ड और ओटीपी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। अनजान नंबरों से आने वाले संदिग्ध लिंक, लॉटरी, लोन अप्रूवल या अन्य प्रलोभन वाले संदेशों पर क्लिक करने से बचें। साथ ही मोबाइल में **QuickSupport, AnyDesk** जैसे अनजान रिमोट एक्सेस ऐप इंस्टॉल नहीं करने की सलाह दी गई।

सेल्फी स्टैंड बना आकर्षण का केंद्र अभियान के दौरान बैंकों में लगाए गए विशेष सेल्फी स्टैंड लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। बैंक ग्राहकों और कर्मचारियों ने क्यूआर कोड स्कैन कर 'जागरूकता की सेल्फी' ली और उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर अभियान में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। बैंक प्रबंधकों एवं कर्मचारियों ने भी पुलिस टीम के साथ मिलकर आमजनों को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं और तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

राखी का रिश्ता अनमोल-विष्णु भैया के मीठे बोल

एमसीबी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मातृशक्ति सम्मान समारोह-2026 में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में प्रदेश की 67.28 लाख बहनों के खातों में ?631 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की। रक्षाबंधन से पहले मिली इस राशि से प्रदेश की महिलाओं में खुशी का माहौल है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पिपरिया निवासी आशा ठाकुर भी इस सौगात से बेहद खुश हैं। आशा ठाकुर ने बताया कि महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि उनके खाते में पहुंचने से रक्षाबंधन का त्योहार और भी खुशी से मनाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व है।

अंबुजा विद्यापीठ में संस्कृत दिवस की धूम, विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की सांस्कृतिक झलक

बलौदाबाजार ।अंबुजा विद्यापीठ, रवान में देववाणी संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से संस्कृत दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने संस्कृत गीत, नृत्य और भाषणों के माध्यम से भाषा की समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की मनमोहक झलक प्रस्तुत की।

समारोह का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार हुआ। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, उपप्राचार्य पद्माकर मिश्रा एवं समन्वयकों ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद दीप प्रज्वलन और मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। संस्कृत की सरलता, मधुरता और वैज्ञानिक स्वरूप को प्रदर्शित करते हुए विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। प्राथमिक वर्ग के बच्चों ने संस्कृत में सुमधुर बाल गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। छात्राओं ने शास्त्रीय एवं लोकधुनों पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं वरिष्ठ विद्यार्थियों ने संस्कृत की वैज्ञानिकता, ऐतिहासिक महत्व तथा कंप्यूटर के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर ज्ञानवर्धक भाषण दिए।

प्राचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों की जननी है। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्कृत को केवल पाठ्य विषय के रूप में नहीं, बल्कि इसके नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता ही शोषण से बचाव का प्रभावी माध्यम : आयोग

बलौदाबाजार । जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष रंजना दत्ता के निर्देशानुसार ज्ञानदीप स्कूल, बलौदाबाजार में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य शारदा सोनी एवं हरजीत सिंह चावला ने नगरवासियों, पालकों और अभिभावकों को उपभोक्ता अधिकारों, कर्तव्यों तथा कानून के प्रावधानों की जानकारी दी। इस दौरान जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए।

आयोग के सदस्य शारदा सोनी एवं हरजीत सिंह चावला ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके अधिकारों और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता जागरूकता ही किसी भी प्रकार के शोषण से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण वस्तु एवं सेवाएं प्राप्त करना उपभोक्ता का कानूनी अधिकार है। खरीदारी के दौरान वस्तु की कीमत, गुणवत्ता और मात्रा के साथ सेवा की शर्तों की जांच करना जरूरी है। बीमा, मेडिकल क्लेम, वित्तीय कंपनियों, बैंकिंग सेवाओं, परिवहन तथा ऑनलाइन खरीदारी में भी उपभोक्ताओं को आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई। शिविर में बताया गया कि सेवा में कमी अथवा उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायत जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष की जा सकती है। शिकायत शुल्क के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि पांच लाख रुपए तक के मूल्य वाली शिकायत पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इस दौरान ई-फाइलिंग एवं ई-हियरिंग की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई।

इंडोनेशिया के बाली स्थित गरुड़ विष्णु कंचना मंदिर के तर्ज पर बन रही भव्य 80 फिट का विशाल पंडाल

जांजगीर-चांपा । सिद्धिविनायक समिति ,चांपा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष गणेश चतुर्थी महोत्सव को भव्य ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की जा रही हैं। इंडोनेशिया के बाली द्वीप में स्थित विश्व प्रसिद्ध जीडब्ल्यूके (गरुड़ विष्णु कंचना) स्मारक की तर्ज पर 80 फीट ऊंचा भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा हैं , जिसके मध्य में 20 फीट की विशाल गणेश प्रतिमा स्थापित की जायेगी। इतिहास में अब तक का सबसे ऊंचा और आकर्षक पंडाल होगा । बाली शैली की नक्काशी , गरुड़ आकृति, पारंपरिक इंडोनेशियाई डिजाइन, रंग-बिरंगी एलईडी लाइटों, फूलों की सजावट और तोरणों से पंडाल को सजाया जा रहा हैं । कार्य में स्थानीय कारीगरों के साथ बाली शैली के विशेष शिल्पकार भी जुटे हुए हैं। पंडाल में विशेष रूप से लेज़र लाइटों को लगाए हुए हैं जो पंडाल की साज सज्जा को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से आकर्षित डिज़ाइनों वाली अदभुत लेजर लाइटे जो श्रद्धालुओं और दर्शकों का आकर्षक का केंद्र बनेगा। बाली स्थित जीडब्लूके के तर्ज पर भगवान विष्णु के दिव्य वाहन गरुड़ पर विराजमान भव्य स्वरूप को दर्शाया गया है इसी क्रम में भव्य स्वरूप इस बार गणेश पंडाल को भव्य रूप से दर्शाया गया हैं। फलस्वरूप इस बार सिद्धि विनायक के समितियों ने इंडोनेशिया के बाली स्थित गरुड़ विष्णु कंचना मंदिर के तर्ज पर 80 फीट ऊंचाई पर पंडाल का निर्माण कराया गया हैं जो श्रद्धालुओं को आकर्षक का केंद्र बनेगा। श्री गणेश पंडाल में विशेष रूप से डी जे साउंड सिस्टम पार लाइटें सार्फी लाइटें लेज़र लाइटे बड़े पैमाने में हवा के लिए कूलर अतिथियों के लिए सोफा कुर्सियां वाहनों के लिए पार्किंग जैसे महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं व्यवस्थित की गई हैं। समिति के सदस्यों ने नगर सहित आस पास क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को बड़ी संख्या में पंडाल में विराजित विशाल गणेश जी की प्रतिमा का दर्शन व विशेष अनोखा पंडाल की उद्धत लेजर लाइटे का आनंद लेने के लिए उपस्थित होने का आह्वान किया है।

संस्कृति को बचाए रखने मर्यादा जरूरी होती है

परिवार,समाज व देश की एक संस्कृति होती है।संस्कृति का आधार होता है संस्कार,मनुष्य को संस्कार परिवार से मिलते हैं।यह पारिवारिक संस्कार होते हैं,परिवारों से मिलकर समाज बनता है तो समाज के संस्कार सामाजिक संस्कार होते हैं।समाजों से मिलकर देश बनता है तो देश के संस्कार देशीय संस्कार कहे जाते हैं। हमारे घर,भोजन ,वस्त्र,पूजा के विधिविधान यानी रोज हम जो कुछ करते हैं,वही हमारे संस्कार होते हैं और उससे हमारी संस्कृति बनती है।संस्कृति को बचाए रखने के लिए संस्कार को बनाए रखने का जरूरी होता है यानी हमको रोज या तीज त्यौहार में वही करना चाहिए जो हम अब तक करते आए हैं।जो हम पीढियों से करते आए है, वही हम अपनी पीढ़ी में भी करते हैं तो यही हमारी परंपरा कही जाती है।हमारी परंपरा मतलब होता है हमारे परिवार की परंपरा,समाज की परंपरा,देश की परंपरा।

जब भी इस परंपरा को बदलने का प्रयास किया जाता है तो परंपरा को मानने वालों को यह अच्छा नहीं लगता है।ऐसा लगता है परिवार,समाज व देश के संस्कार को नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है।यही वजह है कि परंपरा व मर्यादा को मानने लोग इसका विरोध करते हैं।उनके विरोध की वजह यह होती है वह अपनी संस्कृति को बनाए व बचाए रखना चाहते हैं। क्योंकि वह जानते हैं हिंदू सभ्यता संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास हजारों साल से किया जा रहा है और वह बची हुई है तो इसी वजह से बची हुई है कि ज्यादातर लोग परंपरा व मर्यादा का पालन करते हैं और जब भी परंपरा व मर्यादा का उल्लंघन किया जाता है तो वह विरोध करते हैं और उनके विरोध के कारण ही परंपरा व मर्यादा का उल्लंघन करने वालों को अपने कदम पीछे खींचने पड़ते हैं।कई बार हिंदू तीज-त्यौहार के वक्त ही ऐसा जानबूझकर किया जाता है।इस बार राखी के त्यौहार के पहले ऐसा करने का प्रयास किया गया।

ज्वेलरी ब्रांड ग्रीवा ने राखी के पहले एक 35 सेकंड का विज्ञापन जारी किया।इसमें कृति सेनन जो कपड़े पहने कर अपने भाई का राखी बांधने के बाद अपने पालतू कुत्ते को राखी बांधती दिखाई गई हैं।यह देश के ज्यादातर लोगों को पसंद नहीं आया,लोगों को बहुत बुरा लगा और लोगों की प्रतिक्रिया रही कि यह भाई बहन के पवित्र त्यौहार का मजाक उड़ाने की कोशिश है, इसके लिए कृति सेनने भी उतनी ही दोषी हैं।ऐसे बेवकूफी भरे विज्ञापन विरोध व ध्यान दिलाने के बाद भी आते रहते है,यह गंभीर बात है। रक्षाबंधन में तिलक व आरती की परंपरा है, इस विज्ञापन में दोनो ही नहीं दिखाई गए।बहुत से लोगों को कुत्ते का राखी बांधना भी बहुत बुरा लगा है कि भाई व कुत्ता का दर्जा कैसे बराबर को हो सकता है।बहन के लिए भाई भाई होना चाहिए और है और कुत्ता कुत्ता होना चाहिए।

कुछ आधुनिक आचार विचार के लोगों को यह अच्छा लगा है और उनका कहना है कि इसमें कोई बुराई नहीं है। कृति सेनन का कहना है कि किसी महिला की संस्कृति के प्रति निष्ठा उसके कपड़े से नहीं आंकी जानी चाहिए।आखिर हम महिलाओं को ये बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए।समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़े से क्यों मापा जाता है।कल्चर व ट्रेडिशन तो उसके दिल में होते हैं।उसकी नेकलाइन मे नहीं।इस मामले में राहुल गांधी को भी लगा कुछ कहना जरूरी है तो उन्होंने कृति सेनन का समर्थन करते हुए कहा कि एक महिला क्या पहनती है,क्या करती है,यह उसकी पसंद है,महिलाओं को उनकी आजादी के लिए ट्रोल करना बंद करें।चूंकि देश के बहुसंख्यक समाज को ज्वेलरी ब्रांड का यह विज्ञापन पसंद नहीं आया उसकी कटु आलोचना हुई तो उसने अपना विज्ञापन वापस ले लिया है। उसका कहना है कि हम भारतीय संस्कृति,परंपरा और त्यौहारों का बहुत सम्मान करते हैं,एक ब्रांड के तौर पर हमारा मानना है कि इन खुशियों भरे पल को पूरे परिवार के साथ मनाना चाहिए।हमारे विज्ञापन से समाज के किसी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो हमारा कोई इरादा नहीं था।सम्मान के तौर पर हमने विज्ञापन वापस ले लिया है।

ज्वेलरी ब्रांड कंपनी ग्रीवा व अभिनेत्री कृति सेनन के बयानों से तो लगता है कि वह इस देश की हिंदू संस्कृति का सम्मान करते हैं लेकिन उनके आचरण से तो ऐसा नहीं लगता है अगर वह वाकई में इस देश की संस्कृति का सम्मान करते तो इस देश के लोगों की परंपरा व मर्यादा का पालन करते।यह विज्ञापन अगर उन्होंने अपने लिए बनाया होता तो इस पर कोई ध्यान नहीं देता यह विज्ञापन इस देश के लोगों को दिखाने के लिए बनाया गया है तो कंपनी और एक्ट्रेस को इस बात का गंभीरता से ध्यान रखना था कि इससे देश के लोगों को बुरा न लगे। हम अपने घर में खिड़की,दरवाजा बंद कर कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है लेकिन जब हम कुछ भी सार्वजनिक जीवन में करते हैं तो हमारी कुछ करने की स्वतंत्रता असीमित नहीं होती है।हमें कुछ करते हुए दूसरों का ख्याल रखना पड़ता है उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

जीवन देह नहीं आत्मा पर टिका है, रक्षाबंधन की यही सीख

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर मौजूद संवेदना, मर्यादा और आत्मीयता को जागृत करने का पर्व है। भारतीय परंपरा में त्योहारों का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि जीवन के गहरे मूल्यों को समझना भी रहा है। रक्षाबंधन इसी दृष्टि से हमें अपने भीतर झांकने और अपने आचरण को बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है।

गहराई से अपने भीतर देखें तो मनुष्य के अंदर कहीं न कहीं पशु प्रवृत्तियां भी सक्रिय दिखाई दे सकती हैं। क्रोध, अहंकार, स्वार्थ, वासना और दूसरे पर अधिकार जमाने की भावना जब मनुष्य पर हावी हो जाती है, तब उसका व्यवहार मानवीय संवेदनाओं से दूर होने लगता है। भारतीय संस्कृति ने इन प्रवृत्तियों पर संयम रखने और मनुष्य के भीतर की श्रेष्ठता को जागृत करने के लिए अनेक संस्कार और परंपराएं विकसित कीं। रक्षाबंधन भी ऐसी ही सुंदर परंपरा है।

कलाई पर बंधा राखी का छोटा-सा धागा केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं है। यह हमें अपने रिश्तों की मर्यादा, जिम्मेदारी और पवित्रता की याद दिलाता है। यह स्त्री और पुरुष के संबंधों में देह के आकर्षण से ऊपर उठकर आत्मीयता, सम्मान और सात्विक भाव स्थापित करने की प्रेरणा देता है। राखी का अर्थ केवल यह नहीं कि भाई अपनी बहन की रक्षा करेगा, बल्कि यह भी है कि दोनों एक-दूसरे के सम्मान और विश्वास की रक्षा करेंगे।

आज के समय में रिश्तों में अपनापन कम होता दिखाई दे रहा है। परिवार के सदस्यों के बीच संवाद और आत्मीयता कमजोर पड़ रही है। कभी किसी अपने की आवाज सुनते ही मनुष्य तुरंत उसके पास पहुंच जाता था, लेकिन आधुनिक जीवन की व्यस्तता और स्वार्थ ने उस सहज अपनत्व को कहीं पीछे छोड़ दिया है। ऐसे समय में रक्षाबंधन हमें फिर से रिश्तों की गर्माहट और निकटता का अनुभव कराता है।

रक्षाबंधन की व्यापक भावना भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है। पुरुष का स्त्री के प्रति और स्त्री का पुरुष के प्रति **सम्मान, पवित्रता और सात्विक समर्पण का भाव** भी इस पर्व की गहरी सीख हो सकती है। समाज में हर संबंध की अपनी मर्यादा है और उस मर्यादा को बनाए रखना ही वास्तविक संस्कार है।

रक्षाबंधन के दिन मन में अचानक एक तरह की शुद्धता और सकारात्मकता का अनुभव होता है।

केदारनाथ से नेपाल तक, हमें लगातार मिल रही हैं चेतावनियां

यह तो तय है कि हम हिमालय के प्रति गंभीर नहीं हैं। और यह आज की बात नहीं है, पिछले दो दशकों से हिमालय में लगातार हो रही घटनाएं इसी ओर संकेत करती हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इन घटनाओं के लिए हिमालय और यहां के लोगों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इनके लिए दोषी कोई और है, स्थानीय रहवासी तो केवल दूसरे के गुनाहों के विक्टिम हैं।

नेपाल की मर्मांतक त्रासदी के बाद पूरे हिमालय में एक बार फिर भय व्याप्त हो गया है। क्योंकि इससे पहले की घटनाएं भी कोई चेतावनी देकर नहीं आई थीं। नेपाल की भोटेकोशी से लेकर बिहार की कोशी नदी तक बाढ़ के प्रकोप के दृश्य सामने आए हैं। नेपाल की त्रासदी को भूकंप से जोड़कर भी देखा जा रहा है, पर हिमखंड भूकंप से उतने प्रभावित नहीं होते। बढ़ते तापक्रम ने ही इन्हें कमजोर किया होगा और फिर ये हादसा हुआ होगा।

हमने यह व्यवस्था तो अवश्य की है कि हिमालय या सीमाओं से सटे जितने भी क्षेत्र हैं, उनके प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए उन्हें राज्यों तथा देशों में पुनर्गठित किया है। इसके पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक पहलुओं पर बल देना था, लेकिन इसके पारिस्थितिक (इकोलॉजिकल) पहलू को कभी समझा ही नहीं गया।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी पारिस्थितिकी को समझना केवल इसकी संवेदनशीलता तक सीमित नहीं है। दुनिया भर में हो रहे बदलावों- जैसे ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का हिमालय पर क्या प्रभाव पड़ेगा, उसको समझने में हम चूक गए हैं।

दुनिया भर में कार्बन उत्सर्जन के जो भी कारण हों- चाहे वे हमारी जीवनशैली की सुविधाएं हों, विलासिता हो या विकास का रोडमैप- पिछले 200 वर्षों में हुए कार्बन उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्याएं खड़ी हुई हैं। इस बदलाव ने शायद उन विकसित समुदायों को उतना व्यथित नहीं किया होगा, जितना कि इसके कारण उत्पन्न विषमताओं को हिमालय ने झेला है।

सीधी-सी बात है कि हिमालय एक अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इसकी अपनी पारिस्थितिकी बहुत ही नाजुक है। इसमें जरा भी छेड़छाड़ के गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं, और यही समझ शायद हमारी नीतियों में नहीं झलक पाई है। नेपाल से पहले भी केदारनाथ, सिक्किम और धराली में हुई त्रासदियां इससे मिलती-जुलती थीं। नेपाल में एक हिमखंड (ग्लेशियर) के टूटने को मुख्य कारण बताया जा रहा है, जिसने पूरे क्षेत्र को हताहत कर दिया। इससे जुड़ी तमाम नदियां उफान पर आईं और उनसे जुड़े गांव-शहर तबाही की चपेट में आ गए।

ऐसी त्रासदियों में पानी के साथ भारी मलबा आता है, जो घरों को तो ध्वस्त करता ही है, साथ ही लोगों को भी बहा ले जाता है या दबा देता है। ऐसे में राहत व बचाव कार्य में लंबा समय लगता है। नेपाल में कई बांध भी चपेट में आए हैं और तबाही के रास्ते का सारा बुनियादी ढांचा नेस्तनाबूद हो गया है। क्षेत्र की सड़कें और पुल लापता हो गए हैं। इस हादसे के पूरे ब्योरे डराने वाले होंगे।

एक बात वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझ लेनी चाहिए- कार्बन उत्सर्जन को संतुलित होने में हजारों साल लगते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि यह उत्सर्जन अब हमारे लिए एक गंभीर संकट बन चुका है। इसी कारण तापमान पूरी तरह हमारे नियंत्रण से बाहर हो रहा है और इसका सीधा प्रभाव समुद्रों पर भी पड़ रहा है।

समुद्र हमारी पृथ्वी के मौसम और पारिस्थितिकी के मुख्य नियंत्रक हैं। उनमें होने वाला कोई भी बदलाव पूरी पृथ्वी को प्रभावित करता है। इसी का परिणाम है कि हम मानसून के स्वाभाविक चक्र को खो चुके हैं। कब और कहां अचानक भारी बारिश (क्लाउड-बर्स्ट) हो जाए, इसका कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता। मौसम विभाग भी अकसर अचंभित रह जाता है, क्योंकि पूरा संतुलन बिखर चुका है।

ऐसे में इस त्रासदी को केवल कुछ हजार लोगों की क्षति के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि यह आने वाले समय में करोड़ों लोगों के लिए एक बड़े संकट की चेतावनी है। यह सब इसलिए हुआ है, क्योंकि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा अपने विकास और सुविधाओं में व्यस्त है, जबकि उसका खामियाजा नाजुक पारिस्थितिक-तंत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जब तक हम इस कड़वे सच को नहीं समझेंगे, तब तक हिमालय के प्रति न्याय नहीं कर पाएंगे। नेपाल की त्रासदी और उससे पहले की घटनाएं भी हमें यही सबक देती हैं।

हिमालय अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इसकी पारिस्थितिकी बहुत नाजुक है। इसमें जरा भी छेड़छाड़ के गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं, और यही समझ हमारी नीतियों में नहीं झलक पाई है। इससे पहले भी केदारनाथ, सिक्किम और धराली में ऐसी ही त्रासदियां हुई हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

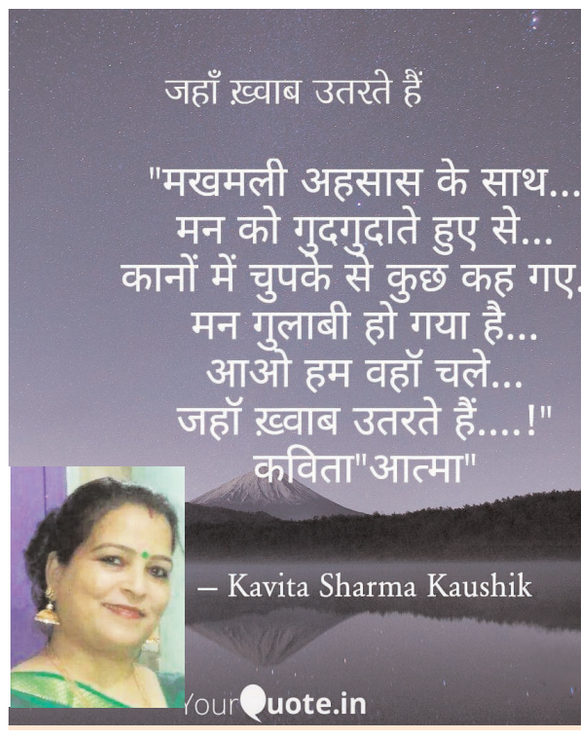

नौकरशाही को मजबूत करने के लिए कई सुधार जरूरी हैं

एक समय था जब एक अच्छे प्रशासनिक अधिकारी से 'ना' कहने की क्षमता रखने की अपेक्षा की जाती थी। ऐसा अधिकारी राजनेता से असहमति जताते समय इस बात को लेकर संकोच नहीं करता था कि कहीं इसे निष्ठा का अभाव तो न समझ लिया जाएगा। वहीं, राजनेता भी अकसर अपने दृढ़ विश्वास के साथ खड़े रहने वाले अधिकारी के साहस का सम्मान करते थे।

वह सम्बंध अब धीरे-धीरे खत्म होता दिखाई दे रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों को कभी भारत की 'स्टील फ्रेम' कहा जाता था। उनसे अपेक्षा की जाती थी कि देश में भले राजनीतिक बदलाव होते रहें, लेकिन वे निरंतरता कायम रखेंगे और असुविधाजनक होने पर भी हमेशा पेशेवर सलाह ही देंगे। मंत्री राजनीतिक इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन सिविल सेवक से अपेक्षा की जाती थी कि वह मंत्री को यह बताए कि प्रशासनिक रूप से क्या संभव है, कानूनी रूप से क्या स्वीकार्य है और संस्थागत दृष्टि से क्या उचित है।

राजनेताओं को 'सहयोगी अधिकारियों' की जरूरत हमेशा से रही है। नौकरशाह भी दोषमुक्त नहीं हैं। वास्तव में, पूरी संभावना इसी बात की होती है कि खुद अधिकारी ने ही राजनेता को सुझाया हो कि वह समझौता करने को राजी है। लेकिन इस रवैये ने प्रशासनिक-सेवा के उस धर्म को कमजोर किया है, जिसके अनुसार अधिकारी की पहली निष्ठा उस संस्था के प्रति होनी चाहिए, जिसकी वह सेवा करता है। उसकी निष्ठा संविधान, कानून व जनहित के प्रति होनी चाहिए- न कि पद पर बैठे किसी व्यक्ति के प्रति। नौकरशाही को समझौतापरस्ती के लाभ भी मिलते हैं : मनचाही पोस्टिंग, कार्यकाल में विस्तार, पदोन्नति, सत्ता के करीब रहने का अवसर या महज यह आश्वासन कि करियर में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी। नतीजे में हमें मिलता है पारस्परिक सुविधाओं पर टिका एक गठजोड़। राजनेता वफादारी चाहता है; नौकरशाह संरक्षण। दोनों एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते हैं।

मुझे न्यूयॉर्क की एक घटना याद आती है, जब एक मंत्री के निजी सचिव (आईएएस अधिकारी) को मंत्री की पत्नी की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर पांच मिनट देरी से पहुंचने पर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया था। पर उन्होंने बिना कोई विरोध किए उसे सह लिया, क्योंकि वे वह पद खोना नहीं चाहते थे।

अनुबंधित सेवा-शर्तों के तहत काम करने वाले अधिकारियों को अगर इस तरह सत्ता के सामने समर्पण करना पड़ता है तो यह लज्जास्पद है। उनके लिए पद से मिले आत्मसम्मान को फिर से हासिल करना जरूरी है, क्योंकि प्रशासनिक-सेवा ही वह जगह है, जहां सरकार के फैसले नागरिकों के लिए ठोस वास्तविकताओं में बदलते हैं- चाहे जमीन का अधिग्रहण हो, ठेके का आवंटन, लाइसेंस देना हो, किसी कर्मचारी का तबादला, किसी मकान को गिराना, सड़क का निर्माण या किसी लोगों को किसी योजना का लाभ देना हो।

भ्रष्टाचार तभी फलता-फूलता है, जब संस्थाएं भी उसमें सहभागी बन जाएं। किसी अनुचित काम के लिए नेता को ऐसे अधिकारी की जरूरत होती है, जो उसे अंजाम देने में मदद करे। वहीं नियमों की अनदेखी करने के एवज में संरक्षण चाहने वाले अधिकारी को उसे छत्रछाया देने वाले राजनेता की जरूरत होती है। यह निर्भरता अपने को मजबूत करती रहती है, जिससे ईमानदार अधिकारी अलग-थलग पड़ जाते हैं।

वास्तव में, ऐसे माहौल में ईमानदार अधिकारी ही अवांछित व्यक्ति बन जाता है। उसका बार-बार तबादला किया जाता है, उसे 'अड़ियल' या 'बाधा डालने वाला' बताया जाता है, उस पर 'टीम भावना' की कमी का आरोप लगाया जाता है। यदि प्रशासक अपनी निष्पक्षता खो दें, तो नागरिकों के अधिकार केवल कानून पर निर्भर नहीं रह जाते, बल्कि इस पर भी निर्भर करने लगते हैं कि उसकी जान-पहचान किससे है, वह किस गुट से जुड़ा है और कितनी घूस दे सकता है।

यह कानून के राज की मूल भावना के विपरीत है। इसलिए 'स्टील फ्रेम' को फिर से मजबूत करने के लिए सुधार जरूरी हैं। पहला, तबादलों-नियुक्तियों की प्रक्रिया को पारदर्शी और स्पष्ट नियमों से बंधा होना चाहिए तथा सद्भावना से काम करने वाले अधिकारियों को संरक्षण मिलना चाहिए। दूसरा, महत्वपूर्ण फैसलों-निर्देशों का लिखित रिकॉर्ड अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि अनौपचारिक निर्देशों से मुकर जाने की गुंजाइश कम हो। तीसरा, व्हिसलब्लोअर अधिकारियों को विश्वसनीय संस्थागत संरक्षण मिलना चाहिए। चौथा, पेशेवर दक्षता और ईमानदारी को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। राजनेताओं को भी समझना होगा कि उनसे असहमति रखने वाला अधिकारी जरूरी नहीं कि उनका विरोधी भी हो।

गैरकानूनी आदेशों का विरोध करने वाले व्हिसलब्लोअर अधिकारियों को संरक्षण मिलना चाहिए। पेशेवर दक्षता और ईमानदारी को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। राजनेताओं को भी समझना होगा कि उनसे असहमति रखने वाला अधिकारी उनका विरोधी नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

श्रीरामचरितमानस ऐतिहासिक दृष्टि से त्रेता युग का सत्य है तो दूसरी ओर यह शाश्वत सत्य है। इसी शाश्वत सत्य को दृष्टिगत रखकर मानस में जिस आध्यात्मिक रूप की ओर इंगित किया गया है उसकी पृष्ठभूमि में आपके सामने कुछ संकेत करते हुए यह कहा गया है कि तीन माताओं को माध्यम बनाकर ईश्वर चार रूपों में प्रकट होता है। जो श्रीराम अखंड ज्ञान घन हैं उनका प्राकट्य ज्ञानमयी कौशल्याजी के माध्यम से होता है। उपासनामयी सुमित्रा अंबा के माध्यम से लक्ष्मण और शत्रुघ्न के रूप में ईश्वर स्वयं को प्रकट करता है। श्रीराम के रूप में यदि ईश्वर स्वामित्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो वहीं दूसरी ओर सेवक बनकर लक्ष्मण और शत्रुघ्न के रूप में भी स्वयं को प्रकट करता है। कैकेईजी मूर्तिमति क्रिया हैं और उनसे श्रीभरत के रूप में वही अवतरित होता है, जिनको रामचरितमानस में मूर्तिमान धर्म का स्वरूप बताते हुए कहा गया कि -

जौ न होत जग जनम भरत को।
सकल धरम धुर धरनि धरत को।।

इस प्रकार से ईश्वर ज्ञान, क्रिया और उपासना के माध्यम से अपने को अभिव्यक्त करता है तथा विविध रूपों में नर-नाट्य प्रस्तुत करता हुआ जीवन की समस्याओं का समाधान देता है।

रिश्ते राखी के धागे की तरह अपग्रेड हो सकते हैं

जब कोई पंडित आपसे हाथ धुलवाता है, हथेली में अक्षत रखता है, मुट?ठी बंद करने को कहता है और मंत्र जाप करते हुए आपकी कलाई पर लाल-पीला धागा बांधता है, तो यह 10 रुपए के बदले होने वाली दो मिनट की रस्म नहीं है। वह उस साधारण सूती धागे को एक अर्थ दे रहा होता है।

यह धागा इस बात की याद दिलाने के लिए है कि आपने एक आध्यात्मिक रिश्ता स्वीकार किया है। यह एक रिमाइंडर है कि आपके कर्म, शब्द और विचार तक उन चीजों से दूर रहें, जिन्हें शास्त्र अपवित्र मानते हैं। यह एक प्रतीकात्मक रिमाइंडर है कि जब आप ईश्वर में आस्था रखते हैं तो उस आस्था के साथ अपने अंतर्मन को पवित्र रखने की जिम्मेदारी भी आती है।

शायद यही वजह है कि हमारी परंपराओं में धागे का इतना शक्तिशाली स्थान है। धागा सिर्फ कलाई को नहीं बांधता, वह श्रद्धालु की आत्मा को उस धारणा से बांधता है कि जिस आध्यात्मिक रिश्ते को उसने स्वीकार किया है, उसे निभाने के योग्य भी बने रहना है।

राखी भी इसी विचार को अलग रूप में सामने लाती है। जब एक बहन भाई की कलाई पर धागा बांधती है तो वह सिर्फ त्योहारी रस्म नहीं निभा रही होती। वह प्यार, जिम्मेदारी और अपनेपन का ऐसा रिश्ता बना रही होती है, जो धागे के बेरंग होने और घिस जाने के बाद भी उसके साथ रहेगा। धागा भले ही सूती, रेशमी, चांदी या सोने का हो- जैसा कि आजकल होने लगा है- लेकिन उसकी असली कीमत उन दो लोगों के बीच बने अदृश्य रिश्ते में है।

अगर दोस्तों से सुनी बात कोई संकेत है तो कम से कम लखनऊ में तो इस धागे में कीमती बदलाव हो रहे हैं। इस साल शहर के बाजारों में एक खास बदलाव दिख रहा है। बाजार में साधारण सूती धागों और कार्टून राखियों से लेकर सोने, चांदी, हीरों से जड़ी राखियां, म्यूजिकल बैंड, पर्सनलाइज्ड ब्रेसलेट, बहनों के लिए लुंबा और पेड़ों पर बांधी जाने वाली राखियां तक उपलब्ध हैं।

जो कभी एक छोटी-सी रस्म का धागा होता था, वह अपनेपन, इन्डिविजुअलिटी और बदलते पारिवारिक रिश्तों को जताने का जरिया बन गया है। जिस तरह एक बहन अपने प्यार के इजहार को ज्यादा रचनात्मक, कीमती और व्यक्तिगत बना रही है, शायद वैसे ही उसके प्रति गर्मजोशी जताने के हमारे तरीके में भी बदलाव की जरूरत है।

क्यों न इस रक्षाबंधन उसे ऐसी चीज दी जाए, जो मिठाइयां खा लिए जाने और तस्वीरें भुला दिए जाने के काफी बाद तक उसकी रक्षा करे? यह मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी हो सकती है, जो गंभीर बीमारी की सूरत में उसके परिवार के लाखों रुपए बचाए। हममें से कोई नहीं चाहता कि वह कभी बीमार हो, लेकिन जिम्मेदारी भरे प्रेम को इसके लिए तैयार रहना जरूरी है। यह उसके नाम पर किया कोई निवेश हो सकता है। उसके रिटायरमेंट फंड में दिया गया योगदान हो सकता है। उस प्रोफेशनल कोर्स की फीस हो सकती है, जिसे उसने पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते टाल दिया था। उस सपने के लिए रखी रकम हो सकती है, जिसे उसने दूसरों की अधिक जरूरी जरूरतों के लिए चुपचाप छोड़ दिया हो।

कुछ परिवार ऐसे प्रिकॉशनरी इन्वेस्टमेंट में भरोसा नहीं रखते होंगे, क्योंकि यह पारंपरिक बचत जैसे नहीं दिखते। मसलन, इंश्योरेंस ऐसी चीज लग सकती है, जिस पर हम ऐसा पैसा खर्च कर रहे हैं, जिसके इस्तेमाल की उम्मीद हम कभी नहीं करते। लेकिन इसकी खूबसूरती भी यही है।

कभी-कभी सबसे अच्छा तोहफा वही होता है, जिसके लिए हम प्रार्थना करते हैं कि पाने वाले को इसके इस्तेमाल की जरूरत कभी न पड़े। एक भाई कह सकता है कि 'इस साल मैं तुम्हें सिर्फ अपनी याद नहीं दे रहा, एक ऐसा साथ भी दे रहा हूं, जो मेरे दूर होने पर भी तुम्हारे पास रहेगा।'

फंडा यह है कि आज जब बहन आपकी कलाई पर धागा बांधे तो याद रखिए कि इसका संदेश हमेशा यही रहा है कि 'तुम मेरे लिए मायने रखती हो।' आज की दुनिया में शायद इस संदेश को कीमती बदलाव की जरूरत है कि 'तुम मेरे लिए पहले से ज्यादा मायने रखती हो और मैं कुछ ऐसा करूंगा, जिससे तुम्हारा कल ज्यादा सुरक्षित, खुशहाल और मजबूत बने।'

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

शीतकालीन सत्र में आएगा UCC विधेयक!: रायपुर में मंथन करके कमेटी ने लिया जनप्रतिनिधियों-एक्सपर्ट से सुझाव, सभी वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार होगा ड्राफ्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में UCC से संबंधित विधेयक पेश किया जाएगा।

विधेयक का प्रारूप तैयार करने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपना काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार 27 अगस्त को राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस स्थित कन्वेंशन हॉल में राज्य स्तरीय परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में करीब 200 प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और कानून विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है।

समिति का उद्देश्य प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के विभिन्न प्रावधानों, उनके सामाजिक प्रभाव और व्यावहारिक पहलुओं पर व्यापक चर्चा करना है।

राज्य सरकार ष्ष्ट के मसौदे को तैयार करने से पहले समाज के अलग-अलग वर्गों से सुझाव लेने की प्रक्रिया अपना रही है।

समिति का प्रयास है कि

कानून बनाते समय सभी समुदायों के अधिकारों, परंपराओं और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाए।

इसके लिए धार्मिक, सामाजिक और विधिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी चरणबद्ध तरीके से संवाद किया जाएगा।

समान नागरिक संहिता का उद्देश्य धर्म, जाति या पंथ से अलग सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, गोद लेने और लिव-इन संबंधों जैसे व्यक्तिगत मामलों में समान कानूनी व्यवस्था तैयार करना है।

प्रस्तावित व्यवस्था में महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार देने तथा व्यक्तिगत कानूनों से जुड़ी जटिलताओं को कम करने पर भी चर्चा की जा रही है।

संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने का निर्देश दिया गया है।

इसी नीति-निर्देशक तत्व को आधार बनाकर छत्तीसगढ़ सरकार ने ष्ष्ट समिति का गठन किया है। समिति प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से सुझाव जुटाकर व्यापक और समावेशी प्रारूप तैयार करेगी।

समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई कर रही है। समिति में शत्रुघ्न सिंह, एमके राउत, मोहन पवार और ज्योति रानी सिंह को सदस्य बनाया गया है। यह समिति राज्य में ष्ष्ट का ड्राफ्ट तैयार करेगी। इसके लिए सभी धर्मों के पर्सनल लॉ की स्टडी कर सुझाव दिए जाएंगे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

स्कूली बालिकाओं ने जवानों को भेंट की राखी

खरोरा। ग्राम ईल्दा के हाई एवं मिडिल स्कूल की बालिकाओं ने देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों के प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त करते हुए सुंदर राखियां तैयार कीं।

इन राखियों में बालिकाओं ने अपने स्नेह और देशभक्ति की भावना को पिरोया। ग्राम के सरपंच धनेश साहू के विशेष आग्रह तथा स्कूल की प्राचार्य चांदनी यदुवंशी एवं व्याख्याता मंजू औसर के मार्गदर्शन में बालिकाओं ने राखियां तैयार कीं। विद्यालय के शिक्षक हरीश शर्मा, ललित शर्मा, जितेंद्र वर्मा एवं खुमान साहू ने इन राखियों को आईटीबीपी के जवानों को भेंट की। इस अवसर पर बालिकाओं ने जवानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए राखी भेजना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। विद्यालय परिवार की इस पहल की सराहना की गई।

'विकसित भारत' के निर्माण की सबसे मजबूत नींव है युवा और खेल शक्ति : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

एम्स रायपुर में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं और खिलाड़ियों में भरा नया जोश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक उद्बोधन को सुना, युवाओं के सुझावों को नीति निर्माण का आधार बताया

सांसद खेल महोत्सव में रायपुर लोकसभा से 80 हजार लोगों की भागीदारी बनी जनआंदोलन की मिसाल

रायपुर। वरिष्ठ जननेता एवं रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल गुरुवार को एम्स

(ढ्ढढ्ढरूस्) रायपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री अग्रवाल ने हजारों युवाओं और खिलाड़ियों के साथ वर्चुअल माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जावान और दूरदर्शी उद्बोधन को सुना।

इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित युवाओं से सीधा संवाद कर उनके सुझाव, आकांक्षाएं और विचार सुने तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आज का भारत अपनी युवा शक्ति के दम पर वैश्विक पटल पर नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐसी नीतियां बन रही हैं, जो वन-वे न होकर टू-वे संवाद पर आधारित हैं। देश के लगभग 8 लाख युवाओं की आवाज सीधे सरकार तक पहुंच रही है और युवा क्या चाहते हैं, उसी आधार पर खेल और विकास की नीतियां तय हो रही हैं। जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त करता हूं।

अग्रवाल ने खेलों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल केवल मैदान में जीतने या पदक हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर अनुशासन, नेतृत्व, फिटनेस और स्पोर्ट्समैन स्पिरिट का संचार करता है। उन्होंने कहा कि मैदान में नियमों और अंपायर के निर्णय का सम्मान करना खिलाड़ी को जीवनभर अनुशासित रखता है। यदि खेल भावना और वही अनुशासन राजनीति और सामाजिक जीवन में भी आ जाए, तो भारत को पुन: 'विश्व गुरु' बनने से कोई नहीं रोक सकता। खेल का मैदान जीवन का सबसे बड़ा सीखने का केंद्र है।

छत्तीसगढ़ में खेलों के विस्तार की चर्चा करते हुए श्री अग्रवाल ने हाल ही में आयोजित ट्राइबल गेम्स का उल्लेख किया, जिससे वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों के टैलेंट को खुलकर सामने आने का अवसर मिला।

उन्होंने बताया कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव' में रिकॉर्ड 80,000 लोगों ने भाग लिया।

श्री अग्रवाल ने अपनी पहल का जिक्र करते हुए कहा कि पारंपरिक और ग्रामीण खेलों को भी इस महोत्सव में शामिल किया गया तथा 18 वर्ष से कम, 18 से 50 वर्ष और 50 वर्ष से अधिक—सभी आयु वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं रखी गईं, ताकि समाज का हर वर्ग मैदान से जुड़ सके।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल , विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, खेल जगत की विभूतियां, मीडिया प्रतिनिधि और भारी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे। सांसद श्री अग्रवाल ने सभी अतिथियों, अधिकारियों और युवाओं का हार्दिक अभिनंदन करते हुए आह्वान किया कि हर नागरिक को अपने स्वास्थ्य और देश के गौरव के लिए किसी न किसी खेल से जरूर जुड़ना चाहिए।

दादा गुरुदेव एकतीसा भक्ति महोत्सव शुरू:27 बाल मंडलों के बीच होगी महाभक्ति प्रतियोगिता

रायपुर। नवकार नगर स्थित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय एवं दादाबाड़ी में दादा गुरुदेव एकतीसा भक्ति महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस दौरान नन्हे बाल भक्तों ने भावपूर्ण और शानदार गुरु भक्ति प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विभिन्न बाल मंडलों की प्रस्तुतियों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

प्रतियोगिता में संस्कार बालक मंडल, भिलाई-3 ने पहला, वीर बालक मंडल, महासमुंद ने दूसरा और सुव्रत बाल मंडल, रायपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया।

महोत्सव की शुरुआत विधि-विधान से मंगल कलश, चांदी की तोरण, अखंड ज्योत और दादा गुरुदेव की प्रतिमा स्थापना के साथ हुई। कलश स्थापना और अखंड ज्योत का लाभ संजय जी एवं संदीप जी कोटडिया परिवार, मुंगेली ने लिया।

वहीं दादा गुरुदेव की प्रतिमा बनाने का लाभ पदमचंद जी गोल्डी जी लूनिया परिवार, रायपुर ने लिया। मुनि श्री संवेग रत्न सागरजी म.सा. की उपस्थिति में इक्तीसा पाठ और भक्ति के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। 11 दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग शहरों से 27 मंडल शामिल होंगे। इनके बीच महाभक्ति प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतिदिन विजेता मंडल को 11 हजार रुपए, दूसरे स्थान पर 5,100 रुपए और तीसरे स्थान पर 3,100 रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

दुर्गा कॉलेज में यातायात जागरूकता कार्यक्रम :ट्रैफिक ष्ष्टक्कबोलीं-वाहन नियंत्रित गति में चलाएं, जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाएं

रायपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना और दुर्गा महाविद्यालय की ओर से ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें डीसीपी डॉ. अर्चना झा और एसीपी सीमा अहिरवार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी।

प्राचार्य डॉ. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार ने विद्यार्थियों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। उन्होंने सभी को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के लिए भी प्रेरित किया।

डीसीपी डॉ. अर्चना झा ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि खुद और दूसरों की

जान की सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को वाहन नियंत्रित गति में चलाने और सड़क पर अनुशासन बनाए रखने की बात कही। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को हैकथॉन की जानकारी भी दी।

हेलमेट लगाने पर भी जोर

एसीपी सीमा अहिरवार ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के जरूरी नियम बताए। उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और हमेशा निर्धारित गति सीमा का पालन करना चाहिए। ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने और हेलमेट लगाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुनीता चंसोरिया ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से एनएसएस के विद्यार्थी पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर यातायात जागरूकता अभियान चला रहे हैं। विद्यार्थी नुक्कड़ नाटक, बैनर-पोस्टर और चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था में सहयोग के जरिए लोगों को जागरूक करते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. अमन झा, डॉ. प्रगति दुबे, प्रोफेसर रविंद्र राजपूत, विक्की सर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

सीबीएसई ने कहा- व्हाट्सएप मैसेज की जगह आमने-सामने बात करें

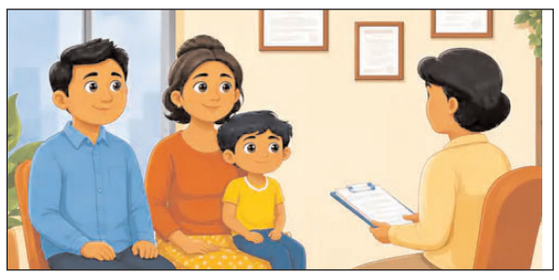

अब स्कूलों में बच्चों के साथ पैरेंट्स की फेस-टू-फेस काउं?सिलिंग, डिप्रेशन-नशे के संकेत पहचानना सीखेंगे

रायपुर। सीबीएसई स्कूलों में अब बच्चों के साथ माता-पिता की भी काउंसिलिंग होगी। उन्हें डिप्रेशन, मानसिक तनाव, सेल्फ-हार्म और नशे के शुरुआती संकेत पहचानना सिखाया जाएगा। डिजिटल संवाद की जगह स्कूल और पैरेंट्स के बीच आमने-सामने की बैठकों को प्राथमिकता मिलेगी।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संशोधित पैरेंटिंग कैलेंडर जारी किया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के 25 जुलाई 2025 के आदेश और नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के साथ हुए समझौते को भी शामिल किया गया है।

स्कूल विशेष कार्यशालाओं में माता-पिता को बच्चों के डिप्रेशन, स्कूल जाने से डरने, व्यवहार में अचानक बदलाव और खुद को नुकसान पहुंचाने (सेल्फ-हार्म) जैसे चेतावनी संकेत पहचानना सिखाएंगे। साथ ही बच्चों के भावनात्मक उतार-चढ़ाव को बिना घबराए सहानुभूतिपूर्वक संभालने के तरीके बताए जाएंगे।

बच्चों को मादक पदार्थों से बचाने के लिए सीबीएसई ने एनसीबी के साथ विशेष समझौता किया है। इसके तहत कैलेंडर में पहली बार मादक पदार्थों के प्रति संवेदनशीलता और सुरक्षात्मक शिक्षा जोड़ी गई है। पैरेंट्स को नशे के शुरुआती लक्षण और जोखिम कारक पहचानने के साथ इस संवेदनशील विषय पर बच्चों से खुलकर और गरिमापूर्ण तरीके से बातचीत करना सिखाया जाएगा।

कैलेंडर को 4-आर यानी रिलेशनशिप बिल्डिंग, रिइन्फोर्समेंट, रिफ्लेक्शन और रिजॉइसिंग के व्यावहारिक ढांचे पर तैयार किया गया है। बालवाटिका से 12वीं तक स्पाइरल डिजाइन के तहत बच्चे की उम्र के साथ काउंसलिंग की तकनीक और गहराई बदलेगी। 5 साल के बच्चे के लिए स्क्रीन टाइम, जबकि 15 साल के किशोर के लिए सोशल मीडिया, साइबर बुलिंग और करियर के तनाव पर अलग सत्र होंगे।

रायपुर के ट्रैफिक में बड़ा बदलाव: जाम वाले 18 चौराहे नए सिरे से बनेंगे, लेफ्ट फ्री होंगे, गोलाई घटेगी और रोटेटरी बदलेगी

रायपुर। ट्रैफिक ट्रैफिक पुलिस, प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त सर्वे में शहर के 18 चौक-चौराहों पर सबसे ज्यादा जाम लगना पाया गया है। अब इन सभी को नए सिरे से बनाने की मंजूरी मिल गई है। शहर में पहली बार एक साथ डेढ़ दर्जन चौराहों के आकार, लेफ्ट फ्री और डिवाइडर में बदलाव होगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति के अफसरों का दावा है कि इससे ट्रैफिक जाम काफी हद तक कम होगा। सभी चौराहों का ले-आउट तैयार कर लिया गया है। इनमें पिछले तीन माह से प्रयोग वाले देवेंद्रनगर ओवरब्रिज के नीचे, महिला थाना चौक, मोतीबाग और अवंति बाई चौक समेत अन्य चौराहे शामिल हैं।

यहां अस्थायी रोटेटरी लगाकर ट्रैफिक कंट्रोल किया गया। कुछ जगह डिवाइडर की लंबाई भी बढ़ाई गई थी। बेहतर परिणाम मिलने के बाद अब इन चौराहों के ले-आउट स्थायी तौर पर बदले जाएंगे।

दावा-जाम कम होगा; जहां-जहां परिवर्तन, उसका ले-आउट तैयार, 3 माह में सफल प्रयोग शामिल

इस तरह के होंगे बदलाव

जहां अस्थायी रोटेटरी लगाई गई थी, वहां मुख्य चौराहा बनेगा।

जिन चौराहों में लेफ्ट फ्री नहीं है, वहां लेफ्ट फ्री किया जाएगा।

जहां डिवाइडर खुले हैं या लंबाई कम है, उन्हें ठीक किया जाएगा।

कालीबाड़ी तिराहे समेत जिन चौक चौराहों की गोलाई ज्यादा है, उसे कम किया जाएगा

कुछ प्रतिमाओं को किनारे किया जाएगा, जिससे चौक की जगह बढ़े।

पहले प्लास्टिक की रोटेटरी लगती थी, अब सीमेंट की लगाई जाएंगी।

परिणाम मिलने के बाद स्थायी तौर पर बदले जा रहे हैं इनके ले-आउट।

इन 18 चौक-चौराहों की बदलेगी डिजाइन : बंजारी वाले बाबा चौक, महिला थाना चौक, भारत माता चौक, शहीद भगत सिंह चौक शंकरनगर, आनंद नगर चौराहा, अनुपम नगर चौक, भारत माता चौक शंकरनगर के आगे, पठारीडीह चौक, जयस्तंभ चौक, कालीबाड़ी चौक, खम्हारडीह थाना चौक, खजाना तिराहा चौक, लाखेनगर चौक, देवेंद्रनगर ओवरब्रिज के नीचे वाला चौक, तेलघानीनाका चौक, रायपुरा ओवरब्रिज के नीचे वाला चौक, गुरुनानक चौक और राठौर चौक।

प्रशासन और पुलिस अफसरों के अनुसार एक माह से भी कम समय में चौक-चौराहों की डिजाइन बदलने का काम शुरू हो जाएगा। इसके लिए एजेंसी तय कर ली गई है। इस काम में करीब 9 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। पूरे काम की मॉनिटरिंग ट्रैफिक पुलिस करेगी।

सभी चौराहों का सर्वे करने के बाद रिपोर्ट जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में रखी गई थी। पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर की अनुमति मिलने के बाद ही इस काम को आगे बढ़ाया गया। कोशिश की जा रही है कि तीन महीने में काम पूरा कर लिया जाए। इसके लिए एजेंसी को गंभीरता से काम करने की हिदायत दी गई है।

ट्रैफिक विभाग और प्रशासन की टीम का प्लान बेहद अच्छा है, क्योंकि इसे पहले सड़क पर लागू करके समझा गया। उदाहरण के तौर पर महिला थाने के सामने पहले रोटेटरी बड़ी की गई, जब परेशानी हुई तो उसे छोटा किया गया। इसी तरह महिला थाना से कालीबाड़ी की ओर जाने वाली सड़क के डिवाइडर को बंद कर ट्रैफिक की स्थिति देखी गई।

देवेंद्रनगर चौक में भी इसी तरह का प्रयोग किया गया। जहां-जहां प्रयोग किए गए, वहां उनके परिणाम देखे गए।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए नई ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास लेकर आएगा। कार्यस्थल पर आपकी मेहनत और समर्पण की सराहना होगी, जिससे वरिष्ठ अधिकारी भी आपके कार्य से प्रभावित रहेंगे। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे और समय पर पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। यदि किसी नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारी की शुरुआत करना चाहते हैं।

वृषभ। आज आपको अपनी वाणी और क्रोध पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से बचें, क्योंकि इससे रिश्तों में अनावश्यक तनाव पैदा हो सकता है। आर्थिक मामलों में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है, इसलिए निवेश या लेन-देन सोच-समझकर करें। कार्यक्षेत्र में धैर्य और समझदारी से लिया गया निर्णय भविष्य में लाभ देगा।

मिथुन। करियर के दृष्टिकोण से आज का दिन अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी मेहनत और प्रतिभा का पूरा सम्मान मिलेगा तथा वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। यदि नौकरी बदलने या नई जिम्मेदारी की तलाश में हैं तो सकारात्मक समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन शौक, मनोरंजन और अनावश्यक खरीदारी पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें।

कर्क। आज भावनाओं में बहकर कोई भी बड़ा निर्णय लेने से बचें। परिवार और रिश्तों से जुड़े मामलों में धैर्य और समझदारी का परिचय देना आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत और ईमानदारी से सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें और बजट के अनुसार ही खर्च करें। परिवार के सदस्यों के साथ सामंजस्य बनाए रखने से घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत रहेगा और इसका सकारात्मक प्रभाव आपके कार्यों में दिखाई देगा। लंबे समय से रुके हुए कार्यों को गति मिलेगी तथा वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। करियर में उन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं और आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी तथा आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा ।

कन्या। आज कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत बनी रहेगी और आपकी कार्यशैली से अधिकारी एवं सहकर्मी प्रभावित होंगे। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और किसी भी चुनौती का सामना आत्मविश्वास के साथ करें। सहकर्मियों के साथ अनावश्यक विवादों से दूर रहें, क्योंकि सहयोग की भावना ही सफलता दिलाएगी। आर्थिक मामलों में स्थिति संतुलित रहेगी तथा सोच-समझकर किया गया निवेश भविष्य में लाभ दे सकता है।

तुला। आज का दिन आपके लिए नई संभावनाओं और सकारात्मक बदलावों का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी और आपकी मेहनत रंग लाएगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी तथा परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी और आय बढ़ाने के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक। आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों और आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और समर्पण का सकारात्मक परिणाम मिलेगा तथा उच्च अधिकारियों से प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। यदि किसी नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसमें अच्छी प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिया गया निर्णय भविष्य में लाभ देगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद बना रहेगा।

धनु। आज का दिन आपके लिए उत्साह और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अपनी बुद्धिमानी और आत्मविश्वास से सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत होगी तथा रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा,

मकर। आज का दिन आपके लिए अनुशासन और मेहनत का फल देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। लंबे समय से लंबित कार्य पूरे होने की संभावना है और नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी तथा आय के नए स्रोत बनने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक काम के कारण थकान महसूस हो सकती है, इसलिए पर्याप्त आराम करें।

कुंभ। आज का दिन आपके लिए रचनात्मकता और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और नए विचारों की सराहना होगी, जिससे करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। आर्थिक मामलों में स्थिति संतुलित रहेगी और आय में वृद्धि के संकेत हैं। परिवार के सदस्यों के साथ संबंध मधुर रहेंगे तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा। यदि किसी नए कार्य की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक तनाव से बचने के लिए योग और ध्यान लाभदायक रहेगा।

मीन। आज का दिन आपके लिए शुभ और लाभदायक साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है और आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा। कारोबार से जुड़े लोगों को नए ग्राहकों और बेहतर लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा रुका हुआ धन मिलने के संकेत हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार पर ध्यान देना आवश्यक होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

मानकों की अनदेखी, 6 कोचिंग सेंटरों को नोटिस

निगम की कार्रवाई, 3 दिनों में वैध दस्तावेज निगम कार्यालय में जमा करने के निर्देश

रांची। विद्यार्थियों की सुरक्षा, सुरक्षित शैक्षणिक माहौल और भवन उपविधियों का पालन कराने को लेकर रांची नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में नगर निगम की नगर निवेश शाखा ने गुरुवार को हरिओम टावर और ली डिजायर कॉम्प्लेक्स में संचालित कोचिंग व ट्रेनिंग सेंटरों की सघन जांच की। मानकों के उल्लंघन और जरूरी कागजात न होने पर टीम ने 6 प्रमुख संस्थानों पर नोटिस चस्पां किया है।

नोटिस में बताई कमियों को दूर कर तीन दिन में वैध दस्तावेज निगम कार्यालय में जमा करने के निर्देश ? ?दिए गए हैं। तय समय में कागजात पेश नहीं करने पर झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 और झारखंड भवन उपविधि 2016 के तहत संस्थान सील होंगे।

नगर निगम की टीम से दुर्व्यवहार का आरोप

ली डिजायर कॉम्प्लेक्स स्थित स्काईटेक एविएशन प्रबंधन पर निगम की जांच टीम से दुर्व्यवहार करने और सरकारी काम में बाधा डालने की बात सामने आई। टीम ने जब स्वीकृत भवन प्लान, फायर एनओसी और ट्रेड लाइसेंस मांगा, तो प्रबंधन ने अपेक्षित सहयोग नहीं किया। इसके बाद टीम ने संस्थान पर नोटिस चिपकाया।

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध भवन में व्यवसाय को अवैध बताया है

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि स्वीकृत भवन प्लान का उल्लंघन करके या अनुमति के बिना किया गया निर्माण अवैध निर्माण की श्रेणी में आता है। ऐसे भवन में व्यवसाय के लिए लाइसेंस नहीं दिया जाना चाहिए। इसी आधार पर कार्रवाई शुरू हुई है, लेकिन आदेश के दो साल बाद कार्रवाई होने से सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

आवासीय भवन का नक्शा मिला तो बंद होंगे कोचिंग सेंटर

नगर निगम ने जिन कोचिंग सेंटर व ट्रेनिंग सेंटर संचालकों को नोटिस दिया है, अगर वे सेंटर आवासीय भवन में चलते पाए गए तो कोचिंग का सील होना तय है। भवन मालिक पर भी जुर्माना लगेगा। क्योंकि, कोचिंग सेंटरों को व्यवसायिक माना गया है। आवासीय भवन का व्यवसायिक इस्तेमाल नगर निगम अधिनियम का उल्लंघन है।

सीडी रेशियो 37 से बढ़कर 55 प्रतिशत के करीब पहुंचाः बैंकर्स समिति की बैठक, वित्त मंत्री ने और 1,000 बैंक शाखाओं की जरूरत बताई

रांची। झारखंड में पांच वर्षों में बैंकिंग कारोबार का दायरा तेजी से बढ़ा, लेकिन कुल कर्ज में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाना अब भी चुनौती है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 96वीं बैठक में जारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 से जून 2026 के बीच बैंकों में कुल जमा 2.61 लाख करोड़ से बढ़कर 4.05 लाख करोड़ रुपए हो गई। कुल वितरित ऋण भी 96,642 करोड़ से बढ़कर 2.23 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। राज्य का सीडी रेशियो 37.04% से सुधरकर 54.97% हुआ।

इससे किसानों कारोबारियों को ऋण आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। कृषि ऋण 11,103 करोड़ से बढ़कर 25,661 करोड़ रुपए हुआ और जून 2026 में सालाना 10.35% बढ़ा। बैठक में एसएलबीसी अध्यक्ष राजीव मिश्रा ने कृषि, एमएसएमई और छोटे उद्योगों के क्लस्टरों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

5 साल में कारोबार दोगुना

अवधि कुल जमा (करोड़ ?) कुल ऋण (करोड़ ?) कृषि ऋण (करोड़ ?)

जून 2021 2,60,928
96,642 11,103
जून 2022 2,81,565
1,20,801 13,605
जून 2023 3,07,585
1,38,662 16,794
जून 2024 3,39,819
1,68,445 19,991
जून 2025 3,69,098
1,89,436 23,254
जून 2026 4,04,979
2,22,613 25,661

कमजोर वर्गों तक कर्ज की पहुंच बढ़ेः वित्त मंत्री

राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सुदूर और बैंकिंग सुविधा से वंचित इलाकों में करीब 1,000 अतिरिक्त बैंक शाखाएं खोलने की जरूरत बताई है। वर्तमान में राज्य में करीब 4,755 शाखाएं संचालित हैं। बैठक में वित्त मंत्री ने कृषि, एमएसएमई और कमजोर वर्गों तक कर्ज की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया। कहा कि झारखंड की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, इसलिए किसानों को समय पर पर्याप्त कर्ज मिलना चाहिए। उन्होंने सीएसआर फंड के खर्च में पूरी पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए।

999 करोड़ राजस्व नुकसान का आरोपः हाईकोर्ट का आदेश- पैनम कोल माइंस में अवैध खनन की अब एसीबी जांच होगी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को पाकुड़ की पैनम कोल माइंस से जुड़े अवैध खनन और रॉयल्टी के रूप में सरकारी राजस्व को हुए नुकसान के मामले की सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने वर्ष 2015 में दुमका के तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त की ओर से दी गई जांच रिपोर्ट पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने मामले की जांच एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सरकार को एसीबी से जांच कराकर रिपोर्ट 5 नवंबर तक हाईकोर्ट में पेश करने को कहा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता राम सुभग सिंह की ओर से बताया गया कि पैनम कोल माइंस में अवैध खनन से जुड़े मामले की जांच रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, इसके बावजूद सरकार ने जिम्मेदारी तय नहीं की।

दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हाईकोर्ट पहुंचे...पैनम कोल माइंस में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आने पर अधिवक्ता राम सुभग सिंह ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने कोयला खनन में नियमों का उल्लंघन किया और सरकार को करोड़ों की रॉयल्टी का नुकसान हुआ। मामले की पहले जांच हुई थी। लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

11 साल पहले आयुक्त ने की थी जांच, डीसी को शो-कॉज तक सिमटा मामला...सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने 19 अक्टूबर 2015 को दुमका के तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त की ओर से तैयार जांच रिपोर्ट का जिक्र किया। कोर्ट को बताया गया कि रिपोर्ट में कई सवाल उठाए गए थे, पर तत्कालीन पाकुड़ डीसी सुनील कुमार को केवल शोकॉज किया गया।

रांची में 2100 स्कूल, 1300 में खेल के मैदान नहीं: सैकड़ों सरकारी स्कूलों के नौनिहाल एक अदद खेल मैदान के लिए तरस

रांची। राष्ट्रीय खेल दिवस पर पूरा देश हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को याद करेगा। खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के बड़े-बड़े दावे होंगे। लेकिन इसी मौके पर राजधानी रांची की जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आएगी। दैनिक भास्कर ने राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर जिले के सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए उपलब्ध खेल के संसाधनों की पड़ताल की। पता चला कि जिले के सैकड़ों सरकारी स्कूलों के नौनिहाल आज भी एक अदद सुरक्षित खेल मैदान के लिए तरस रहे हैं। रांची जिले में प्राथमिक, मध्य और हाई स्कूलों को मिलाकर कुल 2100 सरकारी स्कूल संचालित हैं। इनमें से करीब 1300 स्कूलों के पास अपना खेल मैदान ही नहीं है। व्यवस्था की बदहाली का आलम यह है कि 1200 स्कूलों में बाउंड्री वॉल तक नहीं है। नतीजतन, बच्चे स्कूल के संकरे बरामदों, सामने पड़ी कच्ची जमीन या व्यस्त सड़कों पर खेलने को मजबूर हैं।

टाइम-टेबल में खेल की घंटी तो रोज बजती है, लेकिन मैदान के अभाव में शारीरिक शिक्षा केवल खानापूर्ति बनकर रह गई है। खेल सामग्री और आयोजनों के नाम पर हर साल लाखों रुपए पानी की तरह बहाए जाते हैं, मगर बुनियादी ढांचा आज भी नदारद है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बिना सुरक्षित मैदान, दौड़ने की जगह और जरूरी सुविधाओं के झारखंड से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी आखिर कैसे तैयार होंगे।

अपना मैदान नहीं, दूसरे परिसरों का सहारा लेते हैं

जिन सरकारी स्कूलों के पास अपना खेल मैदान नहीं है, वहां विद्यार्थियों को पास के सार्वजनिक स्थलों या अन्य संस्थानों के मैदान में खेल गतिविधियां कराई जाती हैं। कई पुराने स्कूल बिना मैदान के प्रावधान के ही बने थे। फिलहाल इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। - **शशि रंजन, राज्य परियोजना निदेशक**

3 बार बदली आंसर-की : 138 पदों के लिए हुई भर्ती परीक्षा विवादों में फंस गई, नतीजा-184 सफल अभ्यर्थी बाहर हो गए

रांची। जेपीएससी की सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के 138 पदों के लिए हुई भर्ती परीक्षा विवादों में फंस गई। 10 मार्च 2024 को हुई प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) के बाद अभ्यर्थियों की आपत्ति पर तीन बार मॉडल आंसर-की बदली गई। नतीजा यह हुआ कि रिजल्ट ही बदल गया। पहले से पास 184 अभ्यर्थी बाहर हो गए।

पीटी के बाद आयोग ने 29 मार्च 2024 को मॉडल आंसर-की जारी की। इस पर अभ्यर्थियों से आपत्ति मांगी गई। फिर 13 अप्रैल 2024 को संशोधित मॉडल आंसर-की जारी हुई। इसके बाद 13 मई 2024 को एक बार फिर संशोधित आंसर-की जारी की गई। मॉडल आंसर-की में ?त्रुटियों का मामला हाईकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर विषय विशेषज्ञों की कमेटी गठित की गई।

इसकी सिफारिश पर आयोग ने तीन उत्तर को गलत माना। इससे पीटी का रिजल्ट ही बदल गया। इसी बीच 18 अगस्त 2026 को झारखंड सरकार ने परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल द्वारा ली गई परीक्षाओं को रद्द कर दिया।

बुकलेट -ए के प्रश्न संख्या 8 में अंग्रेजी व्याकरण से जुड़ा वाक्य था। विवाद इस बात पर था कि More than one boy के साथ was इस्तेमाल होगा या 2द्दह्द्द। हाईकोर्ट ने 25 अप्रैल 2025 के अपने फैसले में जेपीएससी द्वारा सही माने गए उत्तर को गलत माना। साथ ही संबंधित अभ्यर्थियों को अंक देने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कौन-सी धारा थीं: प्रश्न संख्या 74 में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश में आईपीसी की धाराओं के संबंधित सवाल पूछे गए थे। हाईकोर्ट को बताया गया कि आंसर-की में जिस विकल्प को सही माना गया, उसमें धारा 506 भी थी, जबकि संबंधित आदेश के संदर्भ में धारा 505 का उल्लेख था। हाईकोर्ट ने इस प्रश्न को गलत आंसर-की से प्रभावित माना। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इसी प्रश्न को विशेषज्ञों से दोबारा जांचने वाले तीन विवादित प्रश्नों में रखा।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1	9			3				2
7					6			5
				7				4
		5			3	8		
	8			2				
	7		6				2	3
5	1				8		3	
			1			2		
		8	3				5	

पिछले अंक का उत्तर

3	1	5	8	2	7	9	4	6
4	6	8	9	1	5	7	3	2
7	2	9	3	4	6	5	1	8
9	4	6	5	3	8	1	2	7
5	7	1	6	9	2	4	8	3
8	3	2	1	7	4	6	9	5
6	9	3	2	5	1	8	7	4
2	5	7	4	8	9	3	6	1
1	8	4	7	6	3	2	5	9

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

31 अगस्त को वॉक-इन इंटरव्यूः रिम्स में 53 पदों पर संविदा पर होगी बहाली

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं के बेहतर संचालन के लिए 53 पदों पर संविदा आधारित बहाली होगी। इसके लिए आगामी 31 अगस्त 2026 को वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है। ये सभी नियुक्तियां एक वर्ष के अनुबंध पर की जाएंगी।

इच्छुक और पात्र अभ्यर्थियों को 31 अगस्त को सुबह 9:30 से 11:00 बजे के बीच निदेशक कार्यालय, रिम्स में रिपोर्ट करना होगा। साक्षात्कार में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप में भरे आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता व अनुभव प्रमाण-पत्रों की स्व-अभिप्रमाणित (सेल्फ अटेस्टेड) प्रतियां लानी होंगी। सत्यापन के लिए मूल दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है। विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रारूप रिम्स की वेबसाइट **www.rimsranchi.ac.in** से प्राप्त किया जा सकता है।

भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों का हाथ मिलाना तय नहीं: हरमनप्रीत कौर ने नहीं दिया कोई जवाब, विमेंस एशिया कप आज से

विमेंस एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों का हाथ मिलना तय नहीं है। गुरुवार को कैप्टंस मीट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर इस बारे में पूछे गए सवाल को टाल गईं। उनसे पूछा गया था कि क्या वह पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना से हाथ मिलाएंगी। उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया। यह मैच 5 सितंबर को दुबई में होगा।

हरमन ने इस मैच पर कहा- 'टीम बाहरी बातों को अपने खेल पर असर नहीं डालने देगी।' एशिया कप कल (28 अगस्त) से शुरू हो रहा है।

हरमनप्रीत ने 14 जून को खेले गए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के मैच में भी पाकिस्तानी कप्तान से हाथ नहीं मिला था।

22 अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों के बीच हैंडशेक नहीं करने की नीति देखी जा रही है।

पिछले एशिया कप से शुरू हुई नो-हैंडशेक पॉलिसी

भारतीय खिलाड़ियों की पाकिस्तानियों से नो-हैंडशेक पॉलिसी पिछले साल मेंस एशिया कप से शुरू हुई थी। जब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था।

हरमनप्रीत ने कहा- किसी एक टीम पर फोकस नहीं करेंगे

भारतीय कप्तान कौर ने कहा कि टीम महिला ङ्ग20 एशिया कप में किसी एक प्रतिद्वंद्वी को निशाना नहीं बनाएगी। भारत का फोकस अच्छा क्रिकेट खेलने पर रहेगा।

सभी टीमें अच्छा कर रही हैं। हमारा ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने और किसी भी टीम को आसान नहीं मानने पर है।' उन्होंने कहा, 'हमारा मुख्य फोकस सिर्फ क्रिकेट खेलना है, खेल के दूसरे प्रभावों पर ध्यान देना नहीं।'

पाकिस्तान कप्तान बोलीं- भारत से फियरलेस क्रिकेट खेलेंगे

पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने कहा कि उनकी टीम निडर क्रिकेट खेलने के इरादे से उतरेगी। वे बर्मिंघम फीनिक्स के लिए द हंड्रेड में खेलने वाली पहली पाकिस्तानी महिला खिलाड़ी बनी हैं।

उन्होंने कहा, 'हम 5 सितंबर को भारत के खिलाफ होने वाले मैच का आनंद लेना चाहते हैं। ङ्ग20 क्रिकेट ऐसा है कि उस दिन जो टीम बेहतर खेलती है, वही जीतती है।'

फातिमा सना ने कहा, 'जब भी हम दुबई में खेलते हैं, तो हमें यहां की परिस्थितियों की आदत होती है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जो इन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।'

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 300 अंक की तेजी, निफ्टी भी 50 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में 28 अगस्त को तेजी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 300 अंक की बढ़त के साथ 77,250 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी में भी 50 अंकों से ज्यादा की तेजी रही और यह करीब 24,150 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में आईटी और मेटल शेयरों में खरीदारी का रुझान देखने को मिला। निवेशकों की खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों को मजबूती मिली।

टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स के शेयर ने शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने आईपीओ मूल्य 300 रुपये के मुकाबले एनएसई पर 111.33% प्रीमियम के साथ 634 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 110.40% की बढ़त के साथ 631.20 रुपये पर हुई।

राजस्थान की यह कंपनी तापमान सेंसर बनाने के कारोबार से जुड़ी है। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली थी। इसका आईपीओ 20 अगस्त से 24 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। लिस्टिंग में मिली भारी तेजी से शुरुआती निवेशकों को अच्छा रिटर्न मिला।

प्राइमरी मार्केट में भी शुक्रवार को हलचल बढ़ी। **ESDS** सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन लिमिटेड और प्रायोरिटी ज्वेल्स के आईपीओ 28 अगस्त से निवेशकों के लिए खुल गए। **ESDS** सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन आईपीओ के जरिए 720 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है, जबकि प्रायोरिटी ज्वेल्स का लक्ष्य 91.50 करोड़ रुपये जुटाना है। दोनों आईपीओ में निवेशक 1 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे।

मंथली इनकम अकाउंट से हर महीने 9,250 तक की कमाई :पोस्ट ऑफिस की स्कीम में 7.4% सालाना ब्याज मिल रहा

अगर आप अपने लिए हर महीने इनकम का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस का नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट सही रहेगा। इस स्कीम में 7.4% सालाना ब्याज मिल रहा है।

इसके जरिए आप अपने लिए हर महीने 9,250 रुपए की इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। इस स्कीम में 5 साल के निवेश करना होता है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकाउंट भारत सरकार द्वारा समर्थित छोटी बचत योजना है। यह उन लोगों के लिए है जो पैसे सुरक्षित रखते हुए हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। यह स्कीम खासकर रिटायर लोगों, बुजुर्गों और जोखिम से बचने वाले निवेशकों के लिए फायदेमंद है। इसे एक तरह का टर्म डिपॉजिट कहा जा सकता है।

हर महीने मिलेंगे 9,250 रुपए

इस स्कीम में सालाना मिलने वाले ब्याज को 12 महीनों में बांट दिया जाता है और वह अमाउंट आपको हर महीने मिलता रहता है। अगर आप पैसा नहीं निकालते हैं तो यह पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट में रहेगा। इस ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज नहीं मिलेगा। भुगतान केवल मूलधन पर ही होगा।

मान लीजिए आप इस योजना में 9 लाख रुपए का निवेश करते हैं तो अब आपको 7.4% सालाना ब्याज के हिसाब से सालाना 66 हजार 600 रुपए ब्याज मिलेगा। वहीं अगर आप इसमें जॉइंट अकाउंट के तहत 15 लाख का निवेश करते हैं तो आपको 1 लाख 11 हजार रुपए सालाना ब्याज मिलेगा। इसे 12 महीनों में बराबर बांटे तो आपको हर महीने 9,250 रुपए मिलेंगे।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

श्रीलंका ने भारत को नहीं जीतने दिया दूसरा टेस्ट:फॉलोऑन खेलने के बावजूद मैच ड्रॉ कराया, सोनल दिनूषा का दोनों पारियों में शतक

कोलंबो। श्रीलंका ने फॉलोऑन खेलने के बावजूद भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ करा लिया है। इस तरह भारत ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। भारत ने गॉल में हुआ पहला टेस्ट मैच 165 रन से जीता था।

कोलंबो में हुए दूसरे टेस्ट मैच के हीरो श्रीलंका के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सोनल दिनूषा रहे। उन्होंने श्रीलंका की दोनों पारियों में शतक लगाया। पहली पारी में 103 रन बनाने वाले दिनूषा ने दूसरी पारी में नाबाद 133 रन बनाए।

दिनूषा के शतक की बदौलत श्रीलंका ने आखिरी दिन अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट पर 429 रन बना लिए। श्रीलंका की बढ़त 216 रन की हो गई थी और मैच में सिर्फ 17 ओवर बचे थे। तब दोनों टीमों ने आपसी सहमति से टेस्ट ड्रॉ करा लिया।

5वें दिन 3 विकेट ही ले सकी भारतीय टीम

चौथे दिन स्टंप्स तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 229 रन बनाए थे। तब श्रीलंका के पास सिर्फ 16 रन की बढ़त थी। आखिरी दिन 81.2 ओवर के खेल में भारतीय गेंदबाज सिर्फ 3 विकेट ले सके। श्रीलंका ने इस दौरान 200 रन और जोड़े।

भारत ने ली थी 213 रन की बढ़त

इससे पहले भारत ने इस टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 503/9 के स्कोर पर पारी घोषित की थी। जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई। भारत को 213 रन की बढ़त मिली और कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने को कहा।

टेस्ट क्रिकेट में पहले बैटिंग करने वाली टीम अगर 200 या इससे ज्यादा रनों की बढ़त हासिल करती है तो वह सामने वाली टीम को फॉलोऑन के लिए मजबूर कर सकती है।

इस मैच के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में 5वें स्थान पर है। उसके 51.52% पॉइंट्स हैं। वहीं, श्रीलंकाई टीम 33.33% अंक के साथ छठे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया के साथ 2 मैचों की सीरीज ड्रॉ खेलने के बाद बांग्लादेश 55.56% के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया नंबर-1 पर कायम है।

इमरान के बेटों के इंटरव्यू पर स्काई न्यूज को धमकी : पाकिस्तान बोला-ब्रॉडकास्ट न करें

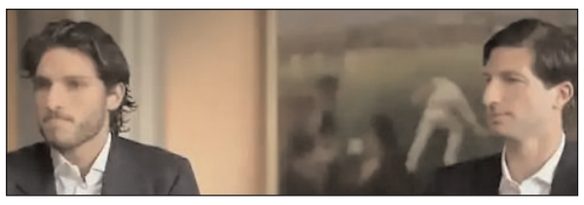

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स से पूर्व कप्तान और देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू प्रसारित न करने का अनुरोध किया था। बोर्ड ने इंटरव्यू दिखाए जाने पर मैच से वॉकआउट करने तक की चेतावनी दे दी थी। हालांकि, स्काई स्पोर्ट्स ने **PCB** की आपत्तियों के बावजूद तय समय पर 18 मिनट का इंटरव्यू ऑन-एयर किया। पाकिस्तान ने यह धमकी भी दी थी कि अगर इंटरव्यू को ब्रॉडकास्ट किया जाएगा तो लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी शायद मैदान में न उतरें। हालांकि, पाकिस्तान की टीम ग्राउंड पर आई और खेल जारी रहा। इमरान के बेटों सुलेमान और कासिम खान का इंटरव्यू इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने लिया था। एथरटन उन 21 कप्तानों में शामिल हैं, जिन्होंने इमरान खान की बिगड़ती सेहत को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इमरान अगस्त 2023 से जेल में हैं। क्रिकइंफो और द गार्जियन समेत कई मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि टेस्ट मैच के दौरान इमरान खान के बेटों के चर्चा में आने से **PCB** खुश नहीं था।

गिल ने कहा- यह ड्रॉ टेस्ट क्रिकेट की जीत: श्रीलंका को फॉलोऑन कराने के फैसले को सही ठहराया; पडिक्कल बोले- हमें जीतना चाहिए था

भारत के कप्तान शुभमन गिल ने कोलंबो टेस्ट ड्रॉ होने पर कहा- 'हमने वह सब कुछ किया, जो हम कर सकते थे। यह शानदार मुकाबला था और मुझे लगता है कि आज टेस्ट क्रिकेट की जीत हुई।'

गिल से दूसरे मुकाबले में टीम के कुछ अलग करके जीत हासिल करने को लेकर सवाल पूछा गया था। गुरुवार को श्रीलंका ने फॉलोऑन के बावजूद भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट ड्रॉ करा लिया।

भारत ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। उसने गॉल में हुआ पहला टेस्ट मैच 165 रन से जीता था।

गिल ने कहा- 'फॉलोऑन का फैसला उल्टा नहीं पड़ा, मौसम को ध्यान में रखते हुए यह हमारा सबसे अच्छा निर्णय था।'

भारतीय कप्तान ने सीरीज पर कहा- रिजल्ट के लिहाज से 3 मैच अच्छे होते। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर उन्होंने कहा- 'यह प्रतिशत अंकों पर निर्भर करता है।'

भारतीय कप्तान ने मोहम्मद सिराज की चोट पर कहा- 'वे चोटिल नहीं थे। वह कुछ महीनों के बाद खेल रहे थे, वापस आने में समय लगता है।'

गिल ने भारतीय स्पिनर मानव सुथार का सपोर्ट किया। उन्होंने कहा, 'वे जिस तरह से गेंद को रिलीज करते हैं, मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में वे हमारे लिए अहम साबित होंगे।'

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज देवदत्त पडिक्कल ने कहा- 'अगर हम यह मैच जीतते तो बेहतर होता। ईमानदारी से कहूं तो परिस्थितियां काफी समान थीं। यहां भी पिच धीमी थी।'

पडिक्कल ने कहा, 'मैं रन बनाकर खुश हूं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे रन मैंने किस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए।'

उन्होंने कहा- 'सबसे जरूरी है कि टीम जीते। यह युवा टीम है और अभी काफी काम करना है। सभी खिलाड़ी काफी उत्साहित हैं। मुझे भरोसा है कि हम लगातार सुधार करते रहेंगे।'

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय: कारूआना को 15-13 से हराया, 1.91 करोड़ की प्राइज मनी मिली

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (लष्टङ्ग) का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे लष्टङ्ग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया।

इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग ?1.91 करोड़) की प्राइज मनी अपने नाम की।

6 पॉइंट पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए रखी और 15-13 के अंतिम स्कोर के साथ पहली बार ग्रैंड चेस टूर का खिताब अपने नाम किया।

तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18-12 के अंतर से हराया।

रैपिड सेक्शन में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला रहा, लेकिन वेस्ली सो ने लगातार चारों ब्लिट्ज गेम्स जीतकर एक मैच शेष रहते ही जीत तय कर ली। 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ी क्वालिफाई

इस टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों के साथ ही अगले सीजन यानी 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ियों ने डायरेक्ट क्वालिफाई कर लिया है। इन 3 खिलाड़ियों में चैंपियन प्रज्ञानानंदा, रनर-अप फैबियानो कारूआना और तीसरे स्थान पर रहने वाले वेस्ली सो शामिल हैं।

टूर्नामेंट सिंगल-एलिमिनेशन नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया, जिसमें चार खिलाड़ियों फैबियानो कारूआना, वेस्ली सो, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंदा ने हिस्सा लिया।

2015 में हुई थी शुरुआत

ग्रैंड चेस टूर दुनिया के बड़े शतरंज टूर्नामेंट की एक सीरीज है। इसकी शुरुआत 2015 में हुई थी। इसमें सालभर अलग-अलग शहरों में क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज फॉर्मेट में मुकाबले खेले जाते हैं। खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर पॉइंट्स मिलते हैं और सीजन के अंत में इन्हीं पॉइंट्स के आधार पर ग्रैंड चेस टूर फाइनल के लिए खिलाड़ियों का चयन होता है।

मुख्यमंत्री ने 'साइंस ऑन व्हील्स' को दिखाई हरी झंडी, अब स्कूलों तक पहुंचेगी प्रयोगों की चलती-फिरती विज्ञानशाला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कैम्प कार्यालय बगिया में 'साइंस ऑन व्हील्स' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विज्ञान को स्कूलों और विद्यार्थियों के और करीब ले जाने वाली यह चलती-फिरती विज्ञानशाला बच्चों को रोचक प्रयोगों, वैज्ञानिक मॉडलों और गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की दुनिया से परिचित कराएगी। विशेष रूप से आधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों तक सीमित पहुंच वाले क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में स्वाभाविक रूप से अपने आसपास की दुनिया को जानने और समझने की जिज्ञासा होती है। इस जिज्ञासा को वैज्ञानिक सोच, प्रयोग और नवाचार से जोड़ना आवश्यक है। 'साइंस ऑन व्हील्स' बच्चों को किताबों में पढ़े विज्ञान को प्रयोगों के माध्यम से समझने का अवसर प्रदान करेगी। इससे उनमें सवाल पूछने, प्रयोग करने और समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान खोजने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

उन्होंने कहा कि आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आने वाला समय नई तकनीकों और नवाचार का है। ऐसे में विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के दौरान ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना उनके भविष्य के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस प्रकार की पहल बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें विज्ञान, अनुसंधान तथा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

'साइंस ऑन व्हील्स' की विशेषता यह है कि इसमें विज्ञान को केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को स्वयं प्रयोग करने और गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वाहन के माध्यम से स्कूलों तक वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोग और प्रदर्शनियां पहुंचाई जाएंगी। इससे विद्यार्थी विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझ सकेंगे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मुख्य रूप से चार महत्वपूर्ण मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से उन्हें ब्रह्मांड और अंतरिक्ष विज्ञान की रोचक दुनिया से परिचित कराया जाएगा। रोबोटिक्स के माध्यम से नई तकनीकों, नवाचार और भविष्य के तकनीकी कौशल की समझ विकसित की जाएगी। सतत विकास मॉड्यूल विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और बेहतर भविष्य के निर्माण के प्रति जागरूक करेगा। वहीं जल निस्पंदन के माध्यम से स्वच्छ जल, जल संरक्षण तथा इससे जुड़े वैज्ञानिक समाधानों को प्रयोगों के जरिए समझाया जाएगा।

एक बार की गतिविधि नहीं, विज्ञान से निरंतर जुड़ाव है उद्देश्य

'साइंस ऑन व्हील्स' का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल एक बार विज्ञान के प्रयोग दिखाना नहीं, बल्कि विज्ञान, नवाचार और तकनीक के प्रति उनमें स्थायी रुचि विकसित करना है। विभिन्न गतिविधियों, प्रयोगों, मॉडलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से बच्चों को ऐसा सीखने का अनुभव दिया जाएगा, जो उन्हें स्वयं सवाल पूछने, उनके उत्तर तलाशने और नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित करे।

स्नेह, विश्वास और अपनत्व की डोर से मजबूत होते हैं भाई-बहन के रिश्तेः राजेश अग्रवाल

रायपुर। रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास, अपनत्व और आत्मीयता का पावन पर्व है। यह पर्व परिवार और समाज में प्रेम, सम्मान तथा आपसी विश्वास के रिश्तों को और अधिक मजबूत करने का संदेश देता है। पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पंडवानी एवं पंथी गायिका डॉ. उषा बारले ने पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल को राखी बांधी और भाई-बहन के स्नेह के इस पवित्र रिश्ते को आत्मीयता के साथ मनाया।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि यह भाई-बहन के बीच अटूट स्नेह, विश्वास, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। राखी का यह पवित्र धागा हमें अपने रिश्तों की गरिमा बनाए रखने और एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत में भी भाई-बहन के प्रेम और पारिवारिक रिश्तों को विशेष स्थान प्राप्त है। हमारी संस्कृति पर्व-त्योहारों के माध्यम से समाज को जोड़ने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का संदेश देती है। रक्षाबंधन भी इसी आत्मीय परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है।

मंत्री अग्रवाल ने पद्मश्री डॉ. उषा बारले द्वारा राखी बांधे जाने को आत्मीय क्षण बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को अपनी प्रतिभा से देश-दुनिया में पहचान दिलाने वाली डॉ. उषा बारले का स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि यह राखी उनके लिए केवल एक पर्व की रस्म नहीं, बल्कि स्नेह, सम्मान और विश्वास की खूबसूरत डोर है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, लोककला, परंपराओं और आपसी भाईचारे से है। हमारी सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के साथ उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने और देश-दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

पर्यटन मंत्री ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की माताओं, बहनों और भाइयों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। भाई-बहन का स्नेह सदैव बना रहे और परिवारों में खुशियों का संचार हो।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज रायपुर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में शामिल हुए। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित देशव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय युवा मामले व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने देश के विभिन्न शहरों से लगभग 1600 स्थानों से जुड़े 8 लाख से अधिक युवाओं को संबोधित किया। देशभर के एथलीट्स और खेल जगत की प्रसिद्ध हस्तियां भी इसमें वर्चुअली शामिल हुए। रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और यूथ-आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा भी मौजूद थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया संवाद' में देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम खेल की बात करते हैं, तो ये केवल मेडल जीतने तक सीमित नहीं है। ये विकसित भारत के निर्माण में भारत की खेलशक्ति और भारत की युवाशक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा, 'जो खेले, वो खिले। और खेल में खिलना सिर्फ मैदान पर जीतना नहीं है, खेल में खिलना मतलब व्यक्तित्व का खिलना, परिवार का खिलना और देश का गौरव बढ़ाना।'

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में 21वीं सदी का आधुनिक स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

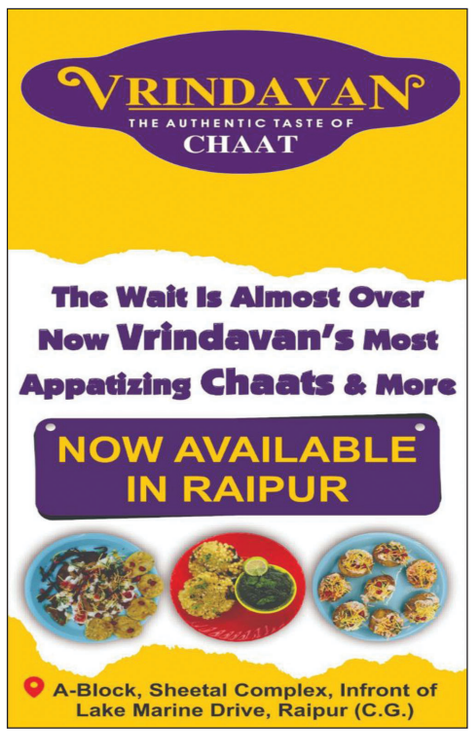

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684